श्रीकंचनपथ

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534

डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./ दुर्ग /94/2020-22

साझा करें अपने मित्रों से

सांध्य दैनिक

दुर्ग-रायपुर-बस्तर संभाग

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल

श्रीकंचनपथ ONLINE

visit us http://www.shreekanchanpath.com

वर्ष- 13, अंक - 115

भिलाई, बुधवार 9 फरवरी 2022

पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

किराये से देना है

15x20 डबल स्टोरी दुकान किराये से देना है।

संपर्क :- 99933-16015

किराया - 8000 से 10000 मात्र

हाइवे पेट्रोल पंप के सामने दुर्गा मंदिर के बाजू में

जनता मार्केट, पावर हाउस, भिलाई

खास-खबर

शहीद गुंडाधुर की प्रतिमा का सीएम बघेल ने वर्चुअली किया लोकार्पण

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने अपने निवास कार्यालय से नगर पालिका कांकेर के घड़ी चौक में स्थापित शहीद गुण्डाधुर की प्रतिमा का वर्चुअल लोकार्पण किया।

विधानसभा के उपाध्यक्ष मनोज मंडावी रायपुर से कार्यक्रम में जुड़े। संसदीय सचिव शिशुपाल सोरी, नगरपालिका कांकेर अध्यक्ष श्रीमती सरोज ठाकुर, जिला पंचायत कांकेर अध्यक्ष हेमन्त ध्रुव सहित अनेक जनप्रतिनिधि, पार्षद, गोंडवाना समाज के अनेक पदाधिकारी और बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक इस अवसर पर कांकेर में उपस्थित थे।

हिजाब विवाद पर बोले कर्नाटक सरकार के मंत्री- स्कूल में न हिजाब चलेगा और न केसरिया

ड्रेस कोड ही जरूरी-राजस्व मंत्री

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक सरकार सरकारी स्कूलों में न तो हिजाब के पक्ष में है और न केसरिया के। प्रदेश के राजस्व मंत्री अशोक ने कहा, ''छात्र सड़कों पर जो चाहें पहन सकते हैं, लेकिन स्कूलों में ड्रेस कोड अनिवार्य है। हमने छात्रों की सुरक्षा के लिए एहतियात के तौर पर स्कूल और कॉलेज बंद कर दिए हैं। इस राजनीति के पीछे है कांग्रेस है।'' आपको बता दें कि मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई के निर्देश पर प्रदेश में 3 दिन के लिए हाई स्कूल और कॉलेज बंद हैं। इस मामले में हाईकोर्ट में सुनवाई होनी है।

सरकार ने यह भी कहा है कि हिजाब विवाद में जिन लोगों की गिरफ्तारी हुई है, उनमें से किसी का भी संबंध स्कूल से नहीं है। वे सभी बाहरी हैं। वहीं, नारा लगाने वाली लड़की ने कहा है कि प्रिंसिपल ने कल अचानक मुझे हिजाब हटाने के लिए कहा। कॉलेज के बाहर बहुत सारे लड़के थे, जो चिल्ला-चिल्ला कर हमें डराने की कोशिश कर रहे थे। कुछ लोग 'पाकिस्तान लौट जाओ' जैसी बातें कर रहे थे।

यह तय करना महिलाओं का अधिकार है कि उन्हें क्या पहनना है: प्रियंका

इस मामले पर कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने बुधवार को कहा कि यह फैसला करना महिलाओं का अधिकार है कि उन्हें क्या पहनना है तथा पहनावे को लेकर उत्पीड़न बंद होना चाहिए। उन्होंने लड़की हूं, लड़ सकती हूं हैशटैग से ट्वीट किया, चाहे वह बिकनी हो, घूंघट हो, जींस हो या हिजाब हो, यह फैसला करने का अधिकार महिलाओं का है कि उन्हें क्या पहनना है। प्रियंका गांधी ने कहा कि इस अधिकार की गारंटी भारतीय संविधान ने दी है। महिलाओं का उत्पीड़न बंद करो।

क्या है हिजाब विवाद?

कर्नाटक के एक कॉलेज में क्लास के भीतर मुस्लिम लड़कियों को हिजाब पहनने के लिए मना कर दिया था। मुस्लिम छात्राओं ने इसका विरोध किया। उन्होंने इसे धार्मिक स्वतंत्रता करार दिया। इसके बाद हिजाब के विरोध में कुछ बच्चों ने भगवा गमछे या शॉल पहनने शुरू कर दिया। इससे विवाद और बढ़ गया। मामला हाईकोर्ट तक पहुंच गया है। इस मामले पर सियासत भी लगातार जारी है। हिजाब के पक्ष में मुस्लिम महिलाएं प्रदर्शन कर रही हैं।

कांग्रेस सत्ता में आई तो हिंदुओं को भी हिजाब पहनने के लिए कहेगी-ऊर्जा मंत्री सुनील कुमार

कर्नाटक में जारी हिजाब विवाद अब कांग्रेस बनाम भाजपा की लड़ाई होती जा रही है। भगवा पार्टी के नेता और बोम्मई सरकार में ऊर्जा मंत्री सुनील कुमार ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि अगर कांग्रेस सत्ता में आती है, तो वे एक ऐसा कानून बनाने की संभावना रखते हैं जो हिंदुओं को हिजाब पहनने के लिए कहे। सुनील कुमार ने आरोप लगाया, अगर कांग्रेस को जनादेश मिलता है, तो उन्हें एक ऐसा कानून भी मिल सकता है जो सभी हिंदुओं को हिजाब पहनने के लिए कहे। सिद्धारमैया और कांग्रेस को ऐसी मानसिकता से बाहर आना चाहिए। कल, डीके शिवकुमार ने झूठे आरोप लगाए कि झंडा हटा दिया गया था। वहीं, इस मामले पर कर्नाटक के गृह मंत्री अर्राग ज्ञानेंद्र ने कहा, ''जहां भी अप्रिय घटना हुई है वहां कार्रवाई की जाएगी। पुलिस ने मामले दर्ज किए हैं। हमने कुछ लोगों को गिरफ्तार किया है, वे बाहरी हैं, छात्र नहीं। पूछताछ के बाद हम आपको बताएंगे। सरकार दिन के अंत तक अदालत के आदेश की उम्मीद कर रही है। हम कोर्ट को सलाह नहीं दे सकते। कोर्ट के आदेश के बाद हमें इसे स्वीकार करना होगा।'' कर्नाटक में हिजाब विवाद को बढ़ते देखकर मंगलवार को मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई ने छात्रों से शांति और धैर्य रखने की अपील की है। बोम्मई ने कहा कि कर्नाटक उच्च न्यायालय ड्रेस कोड की जांच कर रहा है। उच्च न्यायालय संविधान और कानून के अनुसार उचित फैसला सुनाएगा। सभी छात्रों को एक साथ बैठकर पढ़ना चाहिए। छात्रों की सुरक्षा के लिए शिक्षा बहुत जरूरी है। उन्होंने छात्रों से शांति और व्यवस्था की दिशा में स्वेच्छा से चलने की अपील की।

टला बड़ा विमान हादसा: अलायंस एयर के इंजन का ऊपरी हिस्सा गिरा, भुज में इमरजेंसी लैंडिंग

भुज (एजेंसी)। बुधवार सुबह एक बड़ा विमान हादसा होते-होते टल गया। जानकारी के मुताबिक अलायंस एयर का एक एटीआर एयरक्राफ्ट जैसे ही मुंबई से टेक-ऑफ किया उसके तुरंत बाद इंजन का ऊपरी कवर रनवे पर गिर गया था लेकिन जब कुछ देर के सफर के बाद इसकी सूचना मिली तो आनन-फानन में ओडिशा के भुज में सुरक्षित लैंड करवा लिया गया। इंजन का ऊपरी कवर कैसे गिरा इसके लिए सिविल एविएशन मंत्रालय ने जांच शुरू कर दी है।

मुंबई एयर ट्रैफिक कंट्रोलर (एटीसी) ने इसकी सूचना दी

मुंबई एयरपोर्ट के एक सूत्र ने समाचार एजेंसी एएनआई को बताया कि एलायंस एयर को मुंबई से भुज के लिए उड़ान भरनी थी, जबकि विमान का इंजन कवर रनवे पर गिर गया और बिना इंजन कवर के उड़ गया। इसके अलावा डीजीसीए के एक अधिकारी ने एएनआई को बताया कि फ्लाइट भुज एयरपोर्ट पर सुरक्षित उतर गई और एयरलाइंस के खिलाफ जांच शुरू हो गई है। मुंबई से उड़ान भरने के तुरंत बाद, मुंबई एयर ट्रैफिक कंट्रोलर (एटीसी) ने इस बात की सूचना दी।

विमानन विशेषज्ञ ने रखरखाव कार्य को जिम्मेदार ठहराया

विमानन विशेषज्ञ कैप्टन अमित सिंह ने इस घटना के लिए खराब रखरखाव कार्य को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने कहा यदि कुंडी सुरक्षित नहीं है तो काउल के अलग होने की घटनाएं आमतौर पर रखरखाव गतिविधि के बाद होती हैं। चालक दल से यह भी सुनिश्चित करने की अपेक्षा की जाती है कि उड़ान शुरू करने से पहले इंजन काउल बैठा हो।

अब तक के सबसे खतरनाक ऑपरेशन को दिया अंजाम, खाई से युवक को जिंदा निकाल लाए जवान

नई दिल्ली (एजेंसी)। केरल के पलक्कड़ में पहाड़ियों में फंसे एक ट्रैकर को बचाने के लिए भारतीय सेना ने अब तक के सबसे कठिन ऑपरेशन को अंजाम दिया। करीब 48 घंटे के कठिन ऑपरेशन के बाद भारतीय सेना के जवान मलमपुझा की पहाड़ियों में फंसे युवक को सुरक्षित बचाने में कामियाब हो गए हैं। न्यूज एजेंसी एएनआई की ओर से इसकी तस्वीरें भी साझा की गई हैं। इस ऑपरेशन के लिए सेना ने अपनी मद्रास रेजीमेंट और पैराशूट रेजीमेंट को उतारा था।

खड़ी खाई में फंस गया था युवक

सेना की ओर से बताया गया कि 23 साल का युवक आर बाबू ट्रैकिंग करने आया था, लेकिन वह मलमपुझा के पहाड़ों में बनी खड़ी खाई में गिर गया और उसमें ही फंस गया। इसके

बाद युवक के दोस्तों ने इसकी जानकारी प्रशासन को दी। इसके बाद सरकार की ओर से सेना से मदद मांगी गई, जिसके बाद भारतीय सेना ने मद्रास रेजीमेंट सेंटर, वेलिंगटन से 12 कर्मियों की एक टीम रवाना किया, इसके कुछ ही देर बात पैराशूट रेजीमेंट सेंटर, बेंगलुरु से 22 कर्मियों की दूसरी टीम को भी बचाव कार्य में लगाया गया।

युवक की निगरानी के लिए लगाए गए ड्रोन

बचाव दल युवक से 200 मीटर की दूरी तक पहुंच गया था, लेकिन खड़ी खाई होने के कारण उस तक पहुंचना आसान नहीं था। युवक तक खाने-पीने का सामान पहुंचाने का प्रयास असफल रहा। हालांकि, इसके बाद सेना ने ड्रोन की मदद से युवक के स्वास्थ्य की निगरानी की। भारतीय सेना की ओर से चलाए गए इस ऑपरेशन में एनडीआरएफजवानों ने भी मदद की। सेना ने कठिन प्रयास के बाद युवक को खाई से बाहर निकाला। बताया जा रहा है कि युवक सुरक्षित है और पूरी तरह से स्वस्थ्य है। खाई में गिरने के कारण उसे मामूली चोटे आई हैं। सेना के जवानों की युवके के साथ तस्वीर भी साझा की गई है।

बर्बरता की हदें पार: दी खौफनाक मौत, एक आंख निकाली, दूसरी में ठोंकी कील, शव देख दहल उठा दिल

कानपुर (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के कानपुर जिले के सरसौल में नौ साल के बच्चे की नृशंस हत्या का मामला सामने आया है। मासूम के साथ ऐसी बर्बरता की गई कि कलेजा कांप उठा। दरअसल, नर्वल के बेहटा सकट गांव में सोमवार से लापता 9 वर्षीय छात्र की नृशंस हत्या कर दी गई। मंगलवार सुबह गांव के बाहर एक खेत में उसका शव नग्न अवस्था में पड़ा मिला। बच्चे को गला दबाकर मारने की आशंका है। उसकी एक आंख निकाल ली गई थी। दूसरी आंख में कील धंसी मिली। पूरे शरीर पर चोटों के निशान मिले हैं। छात्र के साथ कुकर्म करने की भी आशंका है। पुलिस ने घटना के खुलासे के लिए तीन टीमें लगाई हैं। महेंद्र कुमार परिवार के साथ बेहटा सकट गांव में रहते हैं। उनका 9 वर्षीय बेटा अखिलेश सोमवार सुबह करीब 11 बजे घर के बाहर खेल रहा था। इसी दौरान वह लापता हो गया। देर शाम परिजनों ने पुलिस को सूचना दी और खुद भी तलाश में जुट गए।

मंगलवार सुबह ग्रामीणों ने पूर्व प्रधान रामेंद्र मिश्रा के खेत में अखिलेश का शव पड़ा देखा। शव पर एक भी कपड़ा नहीं था। पुलिस ने शव

को कब्जे में लेकर मोर्चरी भेजा

मरने से पहले बच्चे को तड़पाया

9 साल के बच्चे की हत्या करने से पहले आरोपियों ने उसे खूब तड़पाया। उसके जख्म बता रहे थे कि उसको जमकर पीटा गया और नोचा गया। खेत में शव काफी दूर तक घसीटा गया। उसकी गर्दन पर जूते के निशान मिले हैं। आरोपियों ने उसकी गर्दन पर पैर रख उसे जमीन पर रगड़ा था। लोगों ने तंत्र मंत्र के चक्कर में भी हत्या किए जाने का शक जताया है।

आखिर इतनी बर्बरता क्यों

पुलिस अफसरों का कहना है कि जिस तरह से बच्चे को मारा गया, उससे ऐसा लगता है कि हत्यारे उससे बेहद नफरत करते थे। आखिर बच्चे से नफरत की वजह क्या है। पुलिस इस बिंदु पर गहनता से छानबीन कर हत्यारों तक पहुंचने का प्रयास कर रही है।

दो हत्यारे होने का शक, पी थी शराब

पुलिस ने घटनास्थल से देसी शराब की एक खाली शीशी, दो गिलास, अधजली सिगरेट, माचिस बरामद हुई। इससे पुलिस को आशंका है कि वारदात में दो हत्यारे शामिल हैं। जिन्होंने घटना के पहले या बाद में घटनास्थल पर शराब पी। फोरेंसिक टीम ने खून से सना डंडा व बच्चे के कपड़े शव से कुछ दूरी से बरामद किए। फोरेंसिक टीम ने इन सभी चीजों को कब्जे में ले लिया है।

मामले में अज्ञात के खिलाफहत्या समेत अन्य धाराओं में केस दर्ज कर लिया है। कई संदिग्धों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। शव को मोर्चरी भेजा गया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में मौत का कारण स्पष्ट होगा। तीन टीमें गठित की गई हैं। जल्द वारदात का पर्दाफाश किया जाएगा।

- अजीत कुमार सिन्हा, एसपी आउटर

कोरोना: बीते 24 घंटों में जानलेवा वायरस ने ली 1217 लोगों की जान, 71 हजार से अधिक लोग संक्रमित

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश में कोरोना संकट का दौर लगातार जारी है। मामले कम होने के बादजूद मृतकों की संख्या में आज बढ़ोतरी देखी गई है। स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा जारी बुधवार के आंकड़े के अनुसार बीते 24 घंटों में कोरोना के 71,365 नए मामले सामने आए हैं और 1217 लोगों की मौत हो गई। इस दौरान एक लाख 72 हजार 211 (1,72,211) लोग स्वस्थ भी हुए। वहीं देश में सक्रिय मामले घटकर 8,92,828 हो गए हैं। रोजाना संक्रमण दर की बात करें तो यह घटकर 4.54 फीसदी हो गई है।

अब तक कुल 74.46 लाख से अधिक सैंपल टेस्ट किए जा चुके

भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (ढ्ढष्टस्क) ने जानकारी देते हुए बताया कि भारत में कल कोरोना वायरस के लिए 15 लाख 71 हजार 726 सैंपल टेस्ट किए गए, जिसके बाद कल तक कुल 74 करोड़ 46 लाख 84 हजार 750 सैंपल टेस्ट किए जा चुके हैं।

राज्यों के पास अभी वैक्सीन की 12.11 करोड़ से ज्यादा डोज उपलब्ध

स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को वैक्सीन की 169 करोड़ से ज्यादा डोज़ उपलब्ध कराई गई है। राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के पास अभी वैक्सीन की 12.11 करोड़ से ज्यादा डोज उपलब्ध हैं।

कोरोना वैक्सीनेशन का आंकड़ा 170 करोड़ के पार

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि 8 फरवरी 2022 तक देशभर में 170 करोड़ 87 लाख 6 हजार 705 कोरोना वैक्सीन के डोज दिए जा चुकी हैं। बीते दिन 53 लाख 61 हजार 99 टीके लगाए गए।

अन्ना को रास नहीं आई सरकार की नई शराब नीति, करेंगे भूख हड़ताल

मुंबई (एजेंसी)। सामाजिक कार्यकर्ता अन्ना हजारे को महाराष्ट्र की उद्धव ठाकरे सरकार की नई शराब नीति रास नहीं आई। उन्होंने इसके खिलाफ मोर्चा खोलने की घोषणा की है। अन्ना ने कहा है कि वह सुपरमार्केट और वॉक-इन स्टोर के जरिए शराब बेचने के महाराष्ट्र सरकार के फैसले के खिलाफ 14 फरवरी से अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल करेंगे।

आपको बता दें कि महाराष्ट्र में सुपरमार्केट और आस-पड़ोस की दुकानों में शराब की बिक्री की अनुमति दी गई है। इसके लिए राज्य मंत्रिमंडल ने प्रस्ताव पास किया। ठाकरे सरकार के इस फैसले को लेकर महाराष्ट्र की सियासत में जमकर घमासान मचा हुआ है। बीजेपी ने भी इस फैसले की आलोचना की थी। भाजपा नेता देवेंद्र फ्डणवीस ने इस फैसले की आलोचना करते हुए कहा कि सरकार ने शराबबंदी वापस ले ली है। उन्होंने महाराष्ट्र को मद्य-राष्ट्र'' बनाने का भी आरोप लगाया।

साजिश: अंतरराष्ट्रीय सीमा पर दिखा पाकिस्तानी ड्रोन, बीएसएफ जवानों ने की फायरिंग, नशीले पदार्थ के दो पैकेट मिले

चंडीगढ़ (एजेंसी)। पंजाब में भारत-पाकिस्तान सीमा पर सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के जवानों ने सर्च अभियान चला। दरअसल, मंगलवार रात लगभग 12:50 बजे पंजग्रेन में बीएसएफ जवानों ने पाकिस्तान के ओर से ड्रोन के आने की आवाज सुनी। इसके बाद जवानों ने ड्रोन पर फायरिंग की। इस दौरान ड्रोन वहां पर पीले रंग के दो पैकेट गिरा गया। बीएसएफ जवानों ने ग्राम घग्गर और सिंघोक में तलाशी अभियान चलाया। इस दौरान अब तक संदिग्ध मादक पदार्थ के साथ पीले रंग के दो पैकेट मिले हैं। यह जानकारी बीएसएफने दी है।

तीन फरवरी को बीएसएफ ने मार गिराया था घुसपैठिया

इससे पहले तीन फरवरी को पंजाब के तरनतारन में पाकिस्तानी नागरिक ने घुसपैठ की कोशिश की थी। वह सीमा सुरक्षा बल के जवानों की चेतावनी पर भी नहीं रुका। इसके बाद जवानों ने भारतीय सीमा में घुसने का प्रयास कर रहे घुसपैठिये को गोली से ढेर कर दिया था। पाक घुसपैठिया बीएसएफ की बीओपी (चौकी) करनैल सिंह वाला के नजदीक खालड़ा से सरहद पार कर भारतीय सीमा में दाखिल होने की कोशिश कर रहा था। मृतक के पास से पाकिस्तानी मुद्रा भी बरामद हुई थी।

तस्करी में हो रहा ड्रोन का इस्तेमाल

पाकिस्तानी तस्कर ड्रोन व अन्य माध्यमों से हेरोइन व असलहे की खेप भारतीय तस्करों तक पहुंचाते हैं। कुछ दिनों पहले गुरदासपुर से सटी भारत-पाकिस्तान सरहद से भारी मात्रा में हेरोइन व असलहा की खेप बीएसएफने पकड़ी थी। इन दिनों पंजाब में विधानसभा चुनाव हैं। ऐसे में पाक से हेरोइन और असलहा पंजाब पहुंचाया जा रहा है। पाक तस्कर ड्रोन के जरिये भी असलहा पहुंचा रहे हैं। 28 जनवरी को फिरोजपुर के हुसैनीवाला बार्डर से सटे गांव भाने वाला और हजारा सिंह वाला में पाक ड्रोन दिखे थे और बीएसएफने उन पर फायरिंग भी की थी। ऐसी वारदातों को देख सरहद पर बीएसएफकी पेट्रोलिंग बढ़ाई गई है।

छत्तीसगढ़ में कोरोना के 1300 नए केस मिले, 24 घंटे में 10 की गई जान

छत्तीसगढ़ में कोरोना की तीसरी लहर का संक्रमण अब धीरे-धीरे कम हो रहा है। पॉजिटिविटि दर भी कम हो गई है, लेकिन मौत के आंकड़े अब भी डरा रहे हैं। मंगलवार को प्रदेश में 1,300 नए केस मिले हैं, जिसमें रायपुर में सबसे ज्यादा 212 संक्रमितों की पुष्टि हुई है। कोरोना से प्रदेश में 10 लोगों की जान भी चली गई। रायपुर और धमतरी सबसे ज्यादा केस मिले हैं। प्रदेश में अभी 11,426 सक्रिय मरीज हैं। छत्तीसगढ़ में इस महामारी से अब तक 13,961 लोगों की जान जा चुकी है। स्वास्थ्य विभाग के राज्य कंट्रोल एंड कमांड सेंटर से मिली जानकारी के मुताबिक मंगलवार को प्रदेश में 1,300 नए केस मिले हैं, जिसमें सबसे ज्यादा रायपुर में 212 नए संक्रमित मिले हैं। इसके बाद धमतरी में 183, कांकेर में 95, दुर्ग में 84, राजनांदगांव में 80, बिलासपुर में 77, कोरिया में 59, कोंडागांव में 45, कबीरधाम में 43, जांजगीर-चांपा व सरगुजा में 41-41, बालोद में 40, कोरबा व सूरजपुर में 36-36, मुंगेली में 31, बेमेतरा में 30, महासमुंद में 28, बलरामपुर में 25, बस्तर में 24 नए केस मिले हैं। प्रदेश के 20 जिलों में 1 से 50 के बीच मरीज मिले हैं। प्रदेश में सक्रिय मरीजों की संख्या घटकर 11,426 पर पहुंच गई है।

संपादकीय

घोषणापत्र से उम्मीद

कल उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव के पहले दौर का मतदान होना है और मंगलवार को जब भारतीय जनता पार्टी और समाजवादी पार्टी ने अपना चुनाव घोषणापत्र जारी किया, तब तक शायद पहले दौर का मतदान जिन इलाकों में होना है, वहां के मतदाता अपना मन भी बना चुके होंगे कि उन्हें अपना वोट किसे देना है। यह देरी बताती है कि चुनावी लड़ाई में घोषणापत्रों की भूमिका अब गौण होती जा रही है। कम से कम राजनीतिक पार्टियां इसकी कोई बहुत बड़ी भूमिका नहीं मानतीं। भाजपा ने अपने घोषणापत्र को नाम दिया है- लोक कल्याण संकल्प पत्र 2022, जबकि सपा के घोषणापत्र का नाम है- वचन पत्र। कांग्रेस ने अपना महिला घोषणापत्र पिछले साल दिसंबर में ही जारी कर दिया था। जहां तक बहुजन समाज पार्टी का सवाल है, तो उसका घोषणापत्र जैसी औपचारिकताओं में ज्यादा विश्वास नहीं है। हालांकि, सभी दल अपने घोषणापत्रों से काफी पहले ऐसी फुटकर घोषणाओं का अंबार लगा चुके हैं, जो अब चुनावी चर्चा का हिस्सा हैं।

> लोग अपनी आकांक्षाओं और अपने सपनों को साथ लेकर देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था से जुड़ने की कोशिश करते हैं। उनक फैसले में घोषणापत्रों से ज्यादा भूमिका उनके निजी व सामुदायिक अनुभवों और विचारों की होती है। फिर भी घोषणापत्र महत्वपूर्ण होते हैं, क्योंकि एक तो चुनाव लड़ने वाले दल कल्याणकारी मकसद का एलान करते हैं और दूसरे, यह ऐसा दस्तावेज है, जिसको लेकर उन्हें आगे चलकर कठघरे में खड़ा किया जा सकता है।

हमारे सामने अब मोटे तौर पर तीन घोषणापत्र मौजूद हैं। इन सब को एक साथ देखें, तो चुनावी वादों का जो संसार हमारे सामने है, वह काफी दिलचस्प है। भाजपा का वादा है कि पार्टी सत्ता में लौटी, तो किसानों को सिंचाई के लिए मुफ्त बिजली दी जाएगी। उसने किसानों को मुफ्त दी जाने वाली चीजों की सूची में सोलर पंप भी जोड़ दिया है। उधर समाजवादी पार्टी ने तो सभी लोगों को 300 यूनिट फ्री बिजली देने का वादा कर डाला है, मुफ्त सिंचाई का वादा तो उसके घोषणापत्र में है ही। इस बार सभी घोषणापत्रों में महिलाओं के लिए विशेष वादे किए गए हैं। भाजपा ने कहा है कि वह निराश्रित और विधवा महिलाओं को हर महीने 1,500 रुपये की पेंशन देगी, जबकि समाजवादी पार्टी ने सभी गरीब त्रियों को हर माह 1,500 रुपये पेंशन का वादा किया है। भाजपा ने कहा है कि वह 'पीएसी' जैसे पुलिस बलों में महिलाओं की संख्या को दोगुना करेगी, जबकि कांग्रेस के महिला घोषणापत्र में कहा गया है कि 25 फीसदी रोजगार महिलाओं के लिए आरक्षित रहेंगे। कांग्रेस ने ग्रेजुएशन करने वाली हर छात्रा को स्कूटी देने की बात कही थी, इसी वादे को कुछ अलग तरह से भाजपा के संकल्प पत्र का हिस्सा बनाया गया है। कांग्रेस यदि महिलाओं को तीन मुफ्त रसोई गैस सिलेंडर देने की बात कर रही है, तो भाजपा ने होली और दीपावली पर मुफ्त सिलेंडर देने की बात कही है। सपा अगर पुरानी पेंशन व्यवस्था को बहाल करने की बात कर रही है, तो भाजपा का वादा है कि हर घर से एक को नौकरी मिलेगी। भाजपा का एक वादा सबसे अलग है- 'लव जेहाद' पर दस साल की कैद।

इनमें कौन से वादे पूरे होंगे, कौन से नहीं, इससे बड़ा सवाल यह है कि क्या लोग ऐसे वादों से प्रभावित होकर मतदान का फैसला करते हैं या उसे बदल सकते हैं? लोग अपनी आकांक्षाओं और अपने सपनों को साथ लेकर देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था से जुड़ने की कोशिश करते हैं। उनक फैसले में घोषणापत्रों से ज्यादा भूमिका उनके निजी व सामुदायिक अनुभवों और विचारों की होती है। फिर भी घोषणापत्र महत्वपूर्ण होते हैं, क्योंकि एक तो चुनाव लड़ने वाले दल कल्याणकारी मकसद का एलान करते हैं और दूसरे, यह ऐसा दस्तावेज है, जिसको लेकर उन्हें आगे चलकर कठघरे में खड़ा किया जा सकता है।

> **सरकारों को यह सोचना ही पड़ेगा कि आखिर आयकर की सीमा बढ़ाने या टैक्स में राहत के लिए निवेश की सीमा पर भी हर बार लोगों को बजट का ही इंतजार क्यों करना पड़ रहा है? सरकार ऐसी व्यवस्था क्यों नहीं बना सकती, जिसमें इन चीजों का फैसला एक तय फॉर्मूले के हिसाब से हो जाए और लोगों को सचमुच पता रहे कि आगे की योजना कैसे बनानी है।**

बजट से मध्यवर्ग का रहा-बचा नाता

आलोक जोशी, वरिष्ठ पत्रकार

मध्यवर्ग के लिए बजट का दिन दो चीजों का हिसाब जोड़ने का दिन होता था। क्या-क्या सस्ता या महंगा हुआ, और इनकम टैक्स का क्या हुआ? जीएसटी आने के बाद से वस्तुओं के दाम घटने-बढ़ने की कहानी तो बजट में अब करीब-करीब नहीं ही होती है। अब बचा इनकम टैक्स, तो हर साल ही लोगों को उम्मीद रहती है कि सरकार उन्हें कुछ राहत देगी। और इस साल तो बहुत सारे लोग यह आस लगाए बैठे थे कि वित्त मंत्री नीचे के स्लैब में टैक्स भरने वालों को कुछ न कुछ राहत जरूर देंगी।

यह उम्मीद बेवजह भी नहीं थी। पिछले आठ साल से इनकम टैक्स की लिमिट, यानी वह आमदनी जरा भी नहीं बदली है, जिसके बाद आपको अपनी कमाई पर आयकर चुकाना पड़ता है। साल 2014 में मोदी सरकार का पहला बजट पेश हुआ था, जिसमें तत्कालीन वित्त मंत्री अरुण जेटली ने यह सीमा सालाना दो लाख रुपये से बढ़ाकर ढाई लाख रुपये की थी। बुजुर्गों के लिए इसे ढाई लाख से बढ़ाकर तीन लाख रुपये किया गया था। तब से अब तक करमुक्त आय की सीमा बिल्कुल नहीं बदली है। हालांकि, कुछ छूट को जोड़ लें, तो पांच लाख रुपये तक की कमाई पर टैक्स नहीं भरना पड़ता और टैक्स की शुरुआत उससे ऊपर की कमाई पर ही होती है।

वैसे, टैक्स बचाने के लिए सरकार ने कुछ रास्ते दे रखे हैं। आयकर कानून की धारा 80 सी के तहत कुछ खास योजनाओं में डेढ़ लाख रुपये तक के निवेश पर आयकर में छूट मिलती है। यह सीमा भी आखिरी बार 2014 के बजट में ही बढ़ाई गई थी। इसे एक लाख से बढ़ाकर डेढ़ लाख रुपये किया गया था। और घर कर्ज के ब्याज पर मिलने वाली छूट की सीमा भी डेढ़ लाख से बढ़ाकर दो लाख रुपये की गई थी। उसके बाद इसमें हल्का-फुल्का फेरबदल होता रहा है। मसलन, साल 2015 में वित्त मंत्री ने नेशनल पेंशन स्कीम में पैसा लगाने वालों को 50 हजार रुपये तक की छूट अलग से देने का एलान किया और स्वास्थ्य बीमा के प्रीमियम पर छूट की सीमा भी 15 हजार से बढ़ाकर 35 हजार रुपये कर दी।

तब से अब तक बस इंतजार ही चल रहा है। बल्कि बजट के बाद वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने जो कहा, उससे तो बात और पेचीदा हो गई है। उन्होंने बताया कि इस साल के बजट में आयकर में कोई बदलाव क्यों नहीं किया गया। भारतीय अर्थव्यवस्था अभी कोरोना के झटके से उबरने का प्रयास कर रही है और वित्त मंत्री का कहना है कि ऐसे में वह लोगों पर भार नहीं बढ़ाना चाहती थीं। इसका मतलब तो यही हुआ कि अगर कोरोना का संकट न होता, तो शायद वह इनकम टैक्स का भार बढ़ाने पर भी विचार कर सकती थीं?

खैर, जो हुआ ही नहीं, उस पर सवाल नहीं उठाया जा सकता। लेकिन यह समझना बहुत आसान है कि लोग इस बजट में इनकम टैक्स पर राहत की उम्मीद क्यों कर रहे थे। आठ साल से बदलाव नहीं हुआ। जाहिर है, कमाई बढ़ी, इसीलिए टैक्स भी बढ़ा, लेकिन साथ में खर्च भी तो बढ़ा है और कोरोना की मार ने तमाम परिवारों का गणित बिगाड़कर रख दिया है। ऐसे में, उन्हें उम्मीद थी कि वित्त मंत्री उनके जख्मों पर मरहम लगाने के लिए कुछ न कुछ तो करेंगी ही। उन्हें विश्वास था कि इस बार वित्त मंत्री आयकर में राहत का एलान करेंगी।

कंसल्टिंग फर्म केपीएमजी के एक सर्वे में शामिल 64 प्रतिशत लोगों ने उम्मीद जताई थी कि वित्त मंत्री कर मुक्त आय की सीमा ढाई लाख से बढ़ाकर तीन लाख रुपये सालाना कर सकती हैं। सर्वे में शामिल ज्यादातर लोगों की राय थी कि वह सीमा भी दस लाख रुपये से बढ़ाई जानी चाहिए, जिसके बाद आपको 30 प्रतिशत, यानी सबसे ऊंची दर पर कर चुकाना पड़ता है। सबसे ज्यादा लोग यह उम्मीद कर रहे थे कि काफी मोटी कमाई वाले अति धनाढ्य लोगों पर थोड़ा सा टैक्स बढ़ाकर नीचे के बहुत सारे लोगों को राहत पहुंचाने का रास्ता निकाला जा सकता है।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण का यह चौथा बजट था, इसलिए भी लोगों को लग रहा था कि शायद इस बार तो वह कुछ ऐसा करेंगी कि लोग उनके कार्यकाल की कुछ अच्छी यादें भी साथ रख पाएं। लेकिन हुआ नहीं। उल्टे अब लोगों को याद आ रहा है कि दो साल पहले वह इस बात के संकेत दे चुकी थीं कि आयकर के मोर्चे पर राहत देने में वह यकीन नहीं रखतीं। उन्होंने नई कर व्यवस्था का एलान किया था, जिसमें करदाताओं को यह विकल्प दिया गया कि आप चाहें, तो कमाई पर टैक्स और निवेश पर छूट की मौजूदा व्यवस्था जारी रखें या दूसरा रास्ता चुन लें, जिसमें आपको किसी भी निवेश पर कोई छूट नहीं मिलेगी और बदले में आपकी कमाई पर टैक्स की दर बदल जाएगी, जो मौजूदा दर से कम होगी।

वित्त मंत्री ने इस बजट में महाभारत के शांतिपर्व से एक श्लोक भी सुनाया, जिसका मतलब यह था कि सरकार को कर वसूली करते हुए जनता के हित के साधन जुटाने चाहिए। लेकिन जो एलान उन्होंने किए, उनसे करदाताओं को कोई ऐसी राहत नहीं मिली, जिसकी उम्मीद थी। उन्होंने एक बात यह भी कही कि करदाताओं को अनिश्चितता से बचाने की कोशिश है, ताकि सबको पता रहे कि उन्हें आगे की योजना कैसे बनानी है और किसी पर अचानक कोई बोझ न आ पड़े।

इसी बात को पकड़कर आगे बढ़ें, तो सरकारों को यह सोचना ही पड़ेगा कि आखिर आयकर की सीमा बढ़ाने या टैक्स में राहत के लिए निवेश की सीमा पर भी हर बार लोगों को बजट का ही इंतजार क्यों करना पड़ रहा है? सरकार ऐसी व्यवस्था क्यों नहीं बना सकती, जिसमें इन चीजों का फैसला एक तय फॉर्मूले के हिसाब से हो जाए और लोगों को सचमुच पता रहे कि आगे की योजना कैसे बनानी है। जैसे, सरकारी कर्मचारियों के महंगाई भत्ते का फॉर्मूला तय है; संपत्ति की खरीद-बिक्री पर 'कैपिटल गेन्स टैक्स' कैसे लगेगा, इसका फॉर्मूला तय है। उसी तर्ज पर आयकर की सीमा, करमुक्त आय की सीमा, सबसे कम और सबसे ज्यादा दर पर टैक्स भरने वाले लोगों की आय की सीमा, यानी टैक्स-स्लैब, यह सब भी महंगाई-दर या खुदरा मूल्य सूचकांक के साथ जोड़कर अपने आप तय कर दिए जाएं, तो फिर जीएसटी की तरह ही इस मामले में भी बजट का इंतजार करने की जरूरत खत्म हो जाएगी।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

देश विविधताओं से भरा, फिर कॉलेजों में विविधता क्यों नहीं

गौतम भाटिया, अधिवक्ता, सुप्रीम कोर्ट

बीती 5 फरवरी को कर्नाटक सरकार ने एक आदेश जारी किया, जिसमें कहा गया कि कॉलेज विद्यार्थियों को अनिवार्य रूप से वही पोशाक पहननी होगी, जिसे कॉलेज प्रशासनिक बोर्ड तय करेगा, और जहां ऐसी कोई यूनिफॉर्म निर्धारित नहीं हो पाती है, वहां वे कपड़े नहीं पहने जा सकते, जिनसे 'समानता, अखंडता और कानून-व्यवस्था के भंग होने' का खतरा हो। यह आदेश विभिन्न कॉलेजों में घटी उन घटनाओं के संदर्भ में आया है, जिनमें हिजाब पहनने वाली छात्राओं को कॉलेज परिसर में प्रवेश करने से रोक दिया गया था। इन घटनाओं के बाद कुछ लोगों का तर्क था कि हिजाब पहनना इस्लामी रवायत का एक जरूरी हिस्सा है, और इसकी मनाही संविधान से मिले 'धार्मिक स्वतंत्रता' संबंधी अधिकार का हनन है। तो, कॉलेज प्रशासन के फैसले के समर्थकों की दलील आई कि कॉलेज परिसरों को धर्म के किसी तरह के सार्वजनिक प्रदर्शन से मुक्त रखना चाहिए। इस तर्क को बल तब मिला, जब कई कॉलेजों में हिजाब की प्रतिक्रिया में कुछ हिंदू छात्रों ने भगवा गमछा पहनना शुरू कर दिया।

हालांकि, हिजाब और मजहब के दायरे में इस पूरे मसले को देखने वाले एक अहम बात को नजरंदाज कर रहे हैं, और वह बात है राज्य की ताकत; एक सार्वजनिक संस्कृति, और सार्वजनिक जीवन में स्वीकार्य पदानुक्रमिक समान विचार थोपने की राज्य व राज्य स्तरीय संस्थानों की ताकत। इसे अधिक ठोस रूप से कहें, तो यह सार्वजनिक जगहों पर वयस्कों (कुछ छात्र 18 से 20 साल के भी होते हैं) पर 'ड्रेस कोड' थोपने की राज्य संस्थानों की शक्ति का मसला है। हालांकि, मैं यहां स्पष्ट कर दूं कि मैं सार्वजनिक जगहों पर 'सब कुछ' की मंजूरी की कतई वकालत नहीं करने जा रहा। मसलन, राज्य के संस्थानों को यह अधिकार होना ही चाहिए कि वे ऐसे कपड़ों पर रोक लगाएं, जिन पर

अशालीन या भड़काऊ नारे छपे हों, या जो शैक्षणिक संस्थान के लक्ष्यों से मेल नहीं खाते।

यहां सबसे अहम बात यह है कि हिजाब की एक सामाजिक प्रतीक के तौर पर कहीं भी व्याख्या नहीं की गई है। कुछ मामलों में निश्चय ही यह धार्मिक दबदबे की अभिव्यक्ति है, और खुद चुनने से अधिक जबर्दस्ती थोपा गया प्रतीत होता है। मगर यह कहना कि हरेक औरत जबर्दस्ती हिजाब पहनती है या उनका 'ब्रेनवाश' किया गया है, पूरी मुस्लिम स्त्री-बिरादरी के वजूद को नकारना होगा। हिजाब पहनने के कई जटिल (और परस्पर विरोधी) कारण मौजूद हैं, जैसे- मुश्किल वक्त में अपनी पहचान छिपाने के लिए, परंपरा आदि। यकीनन, कुछ कारण मजहब से जुड़े होंगे, लेकिन कुछ का धर्म से कोई लेना-देना नहीं है। लिहाजा, राज्य के लिए व्यक्तिगत स्तर पर यह सुनिश्चित करना कि वास्तव में असंभव है कि कोई किस वजह से हिजाब पहनता है?

यह तर्क हमें मूल मुद्दे पर वापस लाता है। यानी, हिजाब भेदभाव, असमानता या हिंसा का पोषण नहीं करता, जिसके आधार पर राज्य और उसके संस्थान किसी पोशाक को प्रतिबंधित करते हैं। एक तर्क यह भी सुनने में आता है कि शैक्षणिक संस्थानों में एक सीमा तक समानता की दरकार है। हालांकि, इस तर्क में भी कोई दम नहीं है, क्योंकि क्या यह उचित नहीं है कि हमारे शिक्षण संस्थान भी भारत की विविधता, बहुलता और विभिन्नता को प्रतिबिंबित करें, बजाय इसके कि इनको एकरूप बनाकर भारत के नैसर्गिक गुण को खंडित किया जाए? हमें तो अपने दैनिक जीवन में भी उन लोगों के साथ की दरकार होती है, जो हमसे दिखने में भिन्न होते हैं, अलग कपड़े पहनते हैं और अलग जायके का खाना खाते हैं। तो फिर शिक्षण संस्थानों में यह विविधता बंद क्यों होनी चाहिए?

इन्हीं कारणों से कॉलेजों में हिजाब पर प्रतिबंध के बाद यह सवाल पूछा जा रहा है कि परिधान जैसे नितांत निजी मामलों में राज्य लोगों पर अपनी कितनी ताकत का प्रयोग कर सकता है? हमारा संविधान ऐसे व्यक्तिगत मामलों में सभी को 'स्वतंत्रता' की गारंटी देता है, जब तक कि इस आजादी से सामाजिक स्तर पर कोई बड़ा नुकसान न हो या सामाजिक भेदभाव को बढ़ावा न मिले। हिजाब के मामले में हमें ऐसा कोई नुकसान होता नहीं दिखता। इसीलिए, कानून की कसौटी पर ऐसे प्रतिबंध खरा नहीं उतरते।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

स्टेशन रोड, इंदिरा मार्केट, दुर्ग के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करे
9827806026, 7869620239

आर्टिफिशियल ज्वेलरी के विक्रेता
अनुप ट्रेंडर्स
सर्कुलर मार्केट, केम्प-2, पावर हाउस, भिलाई

श्रीकंचनपथ
छत्तीसगढ़

इनकम TAX
ITR फाईल
बनवायें मात्र 500/- में
TDS, GST, TAX Expert
सम्पर्क- शेखर गुप्ता
9300755544
onlytds@gmail.com
WWW.ONLYTDS.COM

खास खबर

कोरोना वायरस पूरी तरह से खत्म नहीं हुआ है, इसलिए हमें लापरवाही नहीं बरतनी चाहिए: कलेक्टर

महासमुंद। जिले में वैक्सीनेशन एवं अन्य सामाजिक व्यवहार परिवर्तन को लेकर कलेक्टर निलेशकुमार क्षीरसागर ने जिला पंचायत में आयोजित वालंटियर मीट में कहा कि कोविड संक्रमण का खतरा अभी टला नहीं है। इस दौरान जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी एस. आलोक उपस्थित थे। कोरोना वायरस अभी भी पूरी तरह से खत्म नहीं हुआ है। इसलिए हमें लापरवाही नहीं बरतनी चाहिए। हम सभी को कोविड अनुरूप व्यवहारों का पालन करना है। घर से बाहर निकलते वक्त मास्क लगाना है, हाथों को बार-बार साबुन से धोना चाहिए। सैनिटाइजर के नियमित इस्तेमाल के साथ ही घर से बाहर निकलने पर शारीरिक दूरी का पालन करना चाहिए। उन्होंने कहा कि कोविड-19 के दोनों डोज लगने के बाद ही आपका कोविड टीकाकरण पूर्ण माना जाएगा। बुस्टर डोज यानि कोविड वैक्सीन की तीसरी डोज के लिए जब आपकी बारी आए तो इसे भी लगवाएं। स्वयं जागरूक रहें, सुरक्षित रहें, कोविड अनुरूप व्यवहारों का कड़ाई से पालन करें, वैक्सीन लगवाएं और लोगों को जागरूक करें। आगामी समय में छत्तीसगढ़ वी द पीपल फाउंडेशन द्वारा जिले में रोको अऊ टोको अभियान शुरू किया जाएगा। इस दौरान कलेक्टर ने उपस्थित वॉलंटियर के सवालों के जवाब भी दिए।

चारागाह स्थल में चारा लगाने कोपरा के ग्रामीणो ने कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

गरियाबंद। ग्रामपंचायत कोपरा के ग्रामीणो ने चारागाह स्थल में चारे का पैदावार लगाने गरियाबंद कलेक्टर को ज्ञापन सौपे ।जहा ग्रामीणों ने बताया कि फिंगेश्वर ब्लॉक में आने वाले ग्राम पंचायत कोपरा में सरकार द्वारा पशुधन को हरा चारा उपलब्ध कराने के लिए चारागाह का निर्माण किया गया है ।लेकिन राज्य सरकार की इस योजना को दरकिनार कर ग्राम पंचायत कोपरा के सचिव,सरपंच व पंचो के द्वारा चारागाह को सिर्फ दो लोगों को बाड़ी लगाने के लिए दे दिया है। जिसमें एक तो वार्ड क्र 9 के पंच है जिसको व्यक्तिगत फायदा पहुँचाने के लिए दिया गया है।

उर्वरक मांग में केन्द्र ने कर दी 45 फीसद की कटौती

छत्तीसगढ़ ने मांगा था 7.50 लाख मेट्रिक टन उर्वरक, अब तक मिला मात्र 3.20 लाख मेट्रिक टन उर्वरक

श्रीकंचनपथ न्यूज

उपलब्धता के अनुरूप किसानों को रासायनिक खाद का वितरण

रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्य को चालू रबी सीजन के लिए केन्द्र सरकार द्वारा मांग के अनुसार रासायनिक उर्वरकों की आपूर्ति न करने के कारण प्रदेश में किसानों को रासायनिक खादों को लेकर दिक्कत का सामना करना पड़ रहा है।

चालू रबी सीजन के लिए विभिन्न प्रकार के कुल 7 लाख 50 हजार मेट्रिक टन रासायनिक उर्वरक की डिमांड भारत सरकार से की गई है, परंतु आज की स्थिति में छत्तीसगढ़ राज्य को मात्र 3 लाख 20 हजार मेट्रिक टन उर्वरक ही मिला है।

गौरतलब है कि छत्तीसगढ़ सरकार के रासायनिक उर्वरकों के डिमांड कोटे में 45 फीसद की कटौती भी केन्द्र सरकार ने कर दी है। 7 लाख 50 हजार मेट्रिक टन के विरूद्ध केन्द्र ने मात्र 4 लाख 11 हजार मेट्रिक टन उर्वरक प्रदाय किए जाने की स्वीकृति दी है। जिसके चलते राज्य में रासायनिक उर्वरकों की कमी की स्थिति निर्मित हो गई है। इसके बावजूद भी राज्य के किसानों को रासायनिक उर्वरकों की उपलब्धता के आधार पर सोसायटियों से खाद उपलब्ध कराई जा रही है।

छत्तीसगढ़ राज्य विपणन संघ से प्राप्त जानकारी के अनुसार छत्तीसगढ़ राज्य को अब तक यूरिया 1,17,522 मेट्रिक टन प्राप्त हुआ है, जो राज्य की मांग का मात्र 34 प्रतिशत है। इसी तरह छत्तीसगढ़ राज्य को मांग का डीएपी मात्र 28 प्रतिशत, पोटाश 53 प्रतिशत, एनपीके काम्प्लेक्स 43 प्रतिशत प्राप्त हुआ है।

यहां यह उल्लेखनीय है कि छत्तीसगढ़ राज्य में इस साल रबी सीजन में 18 लाख 50 हजार हेक्टेयर में विभिन्न फसलों की बुआई का लक्ष्य निर्धारित है। अब तक 15 लाख 76 हजार हेक्टेयर में बोनी हो चुकी है। छत्तीसगढ़ शासन द्वारा भारत सरकार को 7.50 लाख मेट्रिक टन रासायनिक उर्वरक की मांग भेजी गई थी, जिसमें यूरिया 3.50 लाख मेट्रिक टन, डीएपी 2 लाख मेट्रिक टन, पोटाश 50 हजार मेट्रिक टन, एनपीके काम्प्लेक्स 75 हजार मेट्रिक टन एवं सुपर फास्फेट (राखड़) 75 हजार मेट्रिक टन है। जिसके विरूद्ध भारत सरकार द्वारा 4,11,000 मेट्रिक टन स्वीकृति दी गई, जो छत्तीसगढ़ राज्य की मांग का 55 प्रतिशत है। यह राज्य की मांग के अपेक्षा काफी कम है।

राज्य को चालू रबी सीजन के लिए सहकारिता क्षेत्र में मात्र 93,214 मेट्रिक टन रासायनिक उर्वरक प्राप्त हुआ है, जो गत वर्ष की इसी अवधि में प्राप्त मात्रा 1,52,027 मेट्रिक टन से 39 प्रतिशत कम है। छत्तीसगढ़ को यूरिया मात्र 31,500 मेट्रिक टन प्राप्त है, जो गत वर्ष की तुलना में 15 प्रतिशत कम है। डीएपी 19,434 मेट्रिक टन प्राप्त हुआ हुआ है, जो गत वर्ष की तुलना में 68 प्रतिशत कम है। इस साल पोटाश मात्र 4,191 मेट्रिक टन मिला है, जो गत वर्ष की 15,847 मेट्रिक टन की तुलना में 74 प्रतिशत कम है। इसी तरह एनपीके की भी गत वर्ष की तुलना में कम आपूर्ति हुई है।

जिले में धान खरीदी महाअभियान उत्सव के दौरान किसानों में खुशी और उत्साह का रहा माहौल

श्रीकंचनपथ न्यूज

राजनांदगांव। जिले में धान खरीदी महाअभियान उत्सव के दौरान किसानों में खुशी और उत्साह का माहौल रहा। समर्थन मूल्य में प्रदेश में सर्वाधिक धान खरीदी रिकार्ड 8246039 क्विंटल धान राजनांदगांव जिले में हुई। पिछले साल की तुलना में अधिक 640131 क्विंटल धान की खरीदी हुई।

1 दिसम्बर से 7 फरवरी तक लगातार धान की खरीदी की गई। कलेक्टर तारन प्रकाश सिन्हा के नेतृत्व में युद्ध स्तर पर धान खरीदी का कार्य सफलतापूर्वक पूर्ण हुआ। पिछले वर्ष की तुलना में इस वर्ष लगभग 10 हजार अधिक किसानों ने धान का विक्रय किया। इसके साथ ही धान का उठाव भी तेज गति से चल रहा है।

पिछले वर्ष 2020-21 में 7605908 क्विंटल धान की खरीदी की गई थी। इस वर्ष 8246039 क्विंटल धान राजनांदगांव जिले में हुई। पिछले साल की तुलना में अधिक 640131 क्विंटल धान की खरीदी हुई। अब तक जिले में 46 लाख 42 हजार 730 क्विंटल लगभग 56.26 प्रतिशत धान का उठाव कर लिया गया है। जो कि विगत वर्ष से 10 प्रतिशत अधिक धान का उठाव किया गया है। इसके लिए खाद्य विभाग, मार्कफेड विभाग एवं जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक के अधिकारियों ने लगातार कड़ी मेहनत की।

असामयिक वर्षा से धान की सुरक्षा के लिए अथक प्रयास किया गया। धान को कैप कव्हर से ढंककर सुरक्षित रखने का कार्य चुनौतीपूर्ण रहा। धान उपार्जन केन्द्रों में किसानों की सुविधा के लिए हरसंभव कार्य किए गये और अच्छी व्यवस्था की गई। जिसकी सुखद परिणाम यह रहा कि अबाधित रूप से धान की खरीदी संपन्न हुई।

किसानों को जागरूक करने सहकारी समिति में नुक्कड कार्यक्रम का आयोजन

गरियाबंद। डिजिटल वित्तिय साक्षरता जागरूकता कार्यक्रम के माध्यम से किसानों को जागरूक करने राष्ट्रिय कृषि और ग्रामीण बैंक रायपुर और जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्यादित रायपुर के तत्वाधान में ब्लाक स्तर पर नुक्कड़ सभा का आयोजन किया जा रहा ।इसी तरह मंगलवार को आदिम जाति सेवा सहकारी समिति गरियाबंद में नुक्कड़ सभा कर नाचगाने के माध्यम से किसानों को जागरुक किया गया।

इस नुक्कड सभा मे आए किसानों को उनके हित की बात बताते हुए बताया गया कि जिला सहकारी बैंक किसानों के हित के लिए बना है ,वहां से किसान,मछली पालन,के किये आसानी से ऋण प्राप्त कर सकते है ।किसान अपने मकान बनाने बच्चों की शादी करने साहूकार से कर्ज लेते है जिसके लिए बहुत ज्यादा ब्याज चुकाना पड़ता है लेकिन सहकारी बैंक में किसानों के लिए केसीसी कार्ड बनाए जाते है उसके माध्यम से किसान चाहे तो मकान बनाने बच्चों की शादी ब्याह के कम ब्याज में लिए ऋण ले कर आसानी से पैसा चुका सकते है ।किसान भाई के किये केसीसी के माध्यम से एटीएम बनवाकर ट्रेक्टर लोन भी ले सकते है ।वही नुक्कड़ सभा के बताया गया कि समर्थन मूल्य के धान खरीदी 7 फरवरी से बन्द कर दिया गया है ,लेकिन वे किसान जिनके पास अभी भी धान बचा है। और वेबेच नही पाए है वे बचे धान को सहकारी बैंक में तौलकर रसीद ले सकते है ,उनका धान का भुगतान हो जाएगा।

राज्य में शुरू हुआ मिशन इंद्रधनुष 4.0, गर्भवती माताओं व बच्चों का होगा टीकाकरण, 3 चरणों में संचालित होगा यह अभियान

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में मिशन इंद्रधनुष 4.0 की शुरूआत हो चुकी है। 7 फरवरी से शुरू हुए इंद्रधनुष मिशन 4.0 का उद्देश्य नियमित टीकाकरण में तेजी लाना है। फिलहाल इसकी शुरूआत राज्य के पांच जिलों से की गई है, जिसमें राज्य का बस्तर, धमतरी, दुर्ग, कांकेर एवं राजनांदगॉव जिला शामिल हैं। कोरोना वैक्सीनेशन की वजह से राज्य में जहां वयस्क आबादी लगभग सुरक्षित हो चुकी है, लेकिन बच्चे अभी भी खतरे में है।

टीकाकरण से छूटें बच्चों को टीका लगाने के लिए सघन मिशन इंद्रधनुष 4.0 अभियान चलाया जा रहा है। स्वास्थ्य विभाग द्वारा संचालित मिशन इंद्रधनुष 4.0 के तहत उक्त पांचों जिलों में स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं एवं मितानिनों द्वारा गृह भ्रमण कर नियमित टीकाकरण से छूटे बच्चों का चिन्हांकन कर सूची बनाई गई है। अभियान के अंतर्गत जन्म से 2 वर्ष तक के 5 हजार 435 बच्चें एवं 2 हजार 604 गर्भवती माताओं को टीकाकृत किए जाने का लक्ष्य रखा गया है। इस अभियान के जरिए नियमित टीकाकरण से वंचित बच्चों को टीका लगाया जाएगा।

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन छत्तीसगढ़ के मिशन संचालक सह संचालक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण डॉ. प्रियंका शुक्ला ने बताया कि यह अभियान राज्य में 3 चरणों में संचालित किया जाएगा, जिसमें प्रथम चरण 7 फरवरी से 13 फरवरी द्वितीय चरण 07 मार्च से 13 मार्च एवं तृतीय चरण 4 अप्रैल से 10 अप्रेल तक संचालित किए जाएंगे। प्रत्येक चरण सात दिवस के होंगे। अभियान में गर्भवती माताओं को भी शामिल किया गया है, जो किन्ही कारणों से टीडी 1, टीडी 2 और बूस्टर टीडी के टीके नहीं लगवा पाई हैं। अभियान के तहत नियमित टीकाकरण से छूटे जन्म से 2 वर्ष तक के बच्चों को बीसीजी, पोलियो, डिप्थेरिया, टिटनेस, कुकुर खॉसी, हेपेटाइटिस-बी, हिमोफिलियस, इन्फ्लुएंजा-बी, रोटावायरस, निमोनिया, दिमागी बुखार, खसरा, रूबेला, एवं जैपजीन, इन्सेफेलाइटिस के टीके लगाए जा रहे हैं। राज्य में चिन्हित जिलों में प्रथम चरण में 2199 सत्र आयोजित किये जाएंगे, जिससे 5400 से अधिक 02 वर्ष तक के बच्चे एवं 2600 से अधिक गर्भवती माताएं टीकाकृत होंगी। सभी टीकाकरण सत्र जिलों के चिन्हाकित ग्रामों के आंगनबाड़ी केन्द्रों में आयोजित किए जाऐंगे।

बासठ वर्षीय श्रीमती तुलसी साहू पशुपालन से कमा रही हैं हर महीने 30 से 40 हजार रुपए

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। बालोद जिले अंतर्गत ग्राम पंचायत पेरपार निवासी 62 वर्षीय श्रीमती तुलसी साहू पशुपालन से हर महीने 30-40 हजार रूपए की आमदनी कमा रही हैं। साथ ही पशुशेड की सुविधा उपलब्ध होने से अब 10 गायों की जगह बढ़कर 42 गाएं हो गई हैं। इनमें 16 गायें दुधारू हैं।

इससे वे रोजाना 40-50 लीटर दूध बाजार में बेच रही हैं। परिवार की दशा-दिशा में आये इस बदलाव को लेकर गाँव में सब श्रीमती तुलसी साहू को काफी सराहना मिल रही है। वे अन्य महिलाओं के लिए मिसाल बन रही हैं।

गौरतलब है कि श्रीमती तुलसी साहू के परिवार में 14 सदस्य संयुक्त रूप से निवास करते हैं। उनके परिवार में उनके पति श्री जगन्नाथ साहू के अलावा उनके तीन बेटे और पुत्रवधुएँ एवं 6 बच्चे हैं। इतने बड़े परिवार का भरण-पोषण लगभग 3 एकड़ की खेती एवं 10 पशुओं, जिनमें से चार ही दुधारु थे, पर निर्भर था। पशुओं को रखने के लिए कोई पक्की छतयुक्त व्यवस्था नहीं थी, जिससे व्यवसायिक रुप से दुग्ध उत्पादन नहीं कर पा रही थीं।

खेती और कुछ दूधारू गायों की आमदनी से परिवार चलाने में बड़ी मुश्किल हो रही थी। दूधारू गायें तो थीं लेकिन गायों को रखने के लिए पशुशेड नहीं होने के कारण सही ढंग से पशुपालन भी नहीं कर पा रहे थे। इसके अलावा साल 2020 में कोरोना महामारी के चलते लॉक-डाउन के कारण आर्थिक तंगी से जूझना पड़ रहा था। श्रीमती तुलसी साहू ने समझदारी दिखाते हुए परिवार के समक्ष अपनी निजी भूमि पर मनरेगा (महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम) के तहत पशुशेड निर्माण कर पहले से मौजूद 10 गायों को पालने का प्रस्ताव रखा। उन्होंने परिवार को यह भी बताया कि वे गायों के दूध बेचकर परिवार का पालन-पोषण करना चाहती है।

ऐसे में ग्राम पंचायत की पहल पर उनके यहाँ जून, 2020 में महात्मा गांधी नरेगा से 49 हजार 770 रुपये की लागत से पशु शेड का निर्माण हुआ। श्रीमती तुलसी साहू ने बताया कि मनरेगा के तहत बने पशु शेड की सुविधा से उन्हें पशु पालन से जो आमदनी हुई, उससे वे 08 और नई गाएं खरीदी हैं और दो अतिरिक्त पशु शेड का निर्माण करवाया है।

578 मरीजों का हुआ स्वास्थ्य परीक्षण एवं उपचार

गरियाबंद। जिले के विकासखण्ड मैनपुर में स्वीकृत उप स्वास्थ्य केन्द्र में प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र की स्थापना हेतु पद सृजन की स्वीकृति प्रदान की गई है। किन्तु वर्तमान दिवस तक भवन स्वीकृत नहीं है। उक्त जानकारी देते हुए सीएमएचओ डॉ. एन.आर. नवरत्न ने बताया कि उप स्वास्थ्य केन्द्र शोभा का भवन नहीं होने के कारण वहां पदस्थ ग्रामीण स्वास्थ्य संयोजक द्वारा अपने निवास स्थान में रहकर प्रतिदिन स्वास्थ्य सुविधा प्रदान किया जा रहा है। विगत 9 माह में 578 मरीजों का स्वास्थ्य परीक्षण/उपचार किया गया है।

MENS Clothing
A COMPLETE MEN'S FASHION STORE
Shahrukh Quraishy
8818880051
Infront Of National Steel, Maharaja Chowk, Durg (C.G.) 491001
E-mail.:- shahrukhquraishy786@gmail.com

Sargam Musicals
Deals in All Kinds of Musical Instrument Sales & Repair
DURG:- Near Tarun Adlabs Station Road, Durg (C.G.) Durg, Ph. 2330588, 9826660688
RAIPUR:- Near Manju Mamta Reastaurant, M.G. Road Raipur. Ph. 4013288, 9303876196

Since 1972
CROWN® - TV
Choice Of Millions
LED Available 16 -20 -22 - 24 - 32-40-50-55-65
Premier sales 8959493000
Arhum Electronics 9926100315
A Leela Electronics 9425507772
Reena Electronics 9329132299
Shree Electronics 7000827361
CONTACT
Maa Durga Electronics 9827183839
Rohit Electronics 94242-02866
Authorised Distributers For Chhattisgarh
Trade Enquiry: 98262-52372

Jeans, Trousers, Shirts, T-shirts, Top, Legis, Suits & All Types of Mens & Ledies Wears
Rock Star
Girls & Mens Wear
Kishan Ahuja
9300628876
Maharja Chowk, opp. Oriental Bank, Borsi,Road, Durg (C.G.)

Paul Sir
BANK P.O. & CLERK, MBA, RLY., SSC.
रामा कोचिंग
135,NEW CIVIC CENTER, Bhilai Ph. 0788-6560005

SHRI SAI
COMMERCE COACHING
A Complete Commerce Solution
ONLINE CLASS XI[th] XII[th] B.COM CA/CS/CMA
Registration Open
KHOOBI SIR- Director
Sirsa Road, Kohka, Bhilai, Mo.-98935-82241
www.shri.sai.commercecoaching.com

खास खबर

कार्यालयों में अधिकारियों-कर्मचारियों की सुबह 10:00 बजे से शाम 5:30 बजे तक उपस्थिति सुनिश्चित करने के निर्देश

रायपुर। सामान्य प्रशासन विभाग ने राज्य के मंत्रालय एवं विभागाध्यक्ष कार्यालयों तथा समस्त मैदानी कार्यालयों में अधिकारियों-कर्मचारियों की सुबह 10:00 बजे से शाम 5:30 बजे तक उपस्थिति सुनिश्चित करने के निर्देश जारी किए हैं। सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा मंत्रालय महानदी भवन से समस्त संभागायुक्त तथा समस्त कलेक्टर एवं दंडाधिकारी को इस संबंध में जारी निर्देश में कहा गया है कि शासकीय कार्यालयों हेतु माह के द्वितीय एवं तृतीय शनिवार की भांति सभी शनिवार को अवकाश घोषित करते हुए सप्ताह में 5 कार्य दिवस निर्धारित किए गए हैं। साथ ही राज्य के मंत्रालय एवं विभागाध्यक्ष कार्यालयों तथा समस्त मैदानी कार्यालयों हेतु समय को परिवर्तित करते हुए कार्यावधि सुबह 10:00 बजे से शाम 5:30 बजे तक निर्धारित की गई है। सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा जारी निर्देश में कहा गया है कि शासन के ध्यान में यह बात लाई गई है कि अनेक शासकीय कार्यालयों-मैदानी कार्यालयों में अधिकारी-कर्मचारी नियत समय पर उपस्थित नहीं हो रहे हैं, जो शासन द्वारा जारी निर्देशों के विपरीत है। अत: सभी कार्यालय प्रमुखों की जिम्मेदारी निर्धारित की जाए कि सभी अधिकारी-कर्मचारी कार्यालय में पूर्वान्ह 10:00 बजे उपस्थित होकर शाम 5:30 बजे तक कार्य संपादित करें। उक्त निर्देशों का उल्लंघन किए जाने पर संबंधित अधिकारी-कर्मचारी पर सिविल सेवा आचरण नियमों के तहत कार्यवाही की जा सकेगी। सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा इन निर्देशों को सर्वोच्च प्राथमिकता देने को कहा गया है।

रबी फसलों के बीज सहित उर्वरकों और औषधियों की गुणवत्ता जांच जारी

रायपुर। कृषि एवं जल संसाधन मंत्री रविन्द्र चौबे के निर्देशानुसार कृषि विभाग द्वारा रबी सीजन में किसानों को प्रदाय किए जा रहे बीज, उर्वरक एवं पौध संरक्षण औषधि की गुणवत्ता की जांच का अभियान सभी जिलों में जारी है। कृषि विभाग के जिला स्तरीय अधिकारी अपने-अपने इलाकों में लगातार बीज, खाद और औषधियों के सेम्पल ले रहे हैं, जिसकी जांच गुणवत्ता नियंत्रण प्रयोगशाला में की जा रही है। चालू रबी सीजन में 7 फरवरी की स्थिति में बीज के 68 नमूने तथा रासायनिक उर्वरक के 28 नमूने अमानक पाए गए हैं, जिनके लाट के विक्रय पर तत्काल प्रभाव से प्रतिबंध लगाने के साथ ही संबंधित फर्मों को नोटिस जारी कर जवाब-तलब किया गया है। कृषि विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार चालू रबी सीजन में बीज के अब तक 1029 नमूने लेकर प्रयोगशाला में परीक्षण हेतु भेजे गए हैं, अब तक विभाग को प्राप्त 1018 सैम्पलों की जांच में 950 मानक स्तर के तथा 68 सैम्पल अमानक पाए गए हैं, 11 सैम्पल की रिपोर्ट अभी प्राप्त होना शेष है। इसी तरह रासायनिक उर्वरकों की गुणवत्ता की जांच-पड़ताल के लिए कृषि विभाग के उर्वरक निरीक्षकों द्वारा 709 नमूने विभिन्न संस्थानों से लिए गए हैं, जिसमें से 652 नमूनों की जांच में 624 नमूने मानक स्तर के तथा 28 अमानक पाए गए हैं। शेष 40 नमूनों की जांच रिपोर्ट प्राप्त होना शेष है। अमानक बीज एवं खाद के लाट के विक्रय को विभाग द्वारा प्रतिबंधित किए जाने के साथ संबंधित संस्थाओं को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है।

मंत्री डॉ. टेकाम ने देश के पहले आईडिया लैब का किया उद्घाटन

छत्तीसगढ़ में अब हो सकेंगे तकनीकी आईडिया का पेटेंट

छात्रों को रिसर्च एवं इनोवेशन के लिए मिलेगी सुविधा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। स्कूल शिक्षा मंत्री डॉ. प्रेमसाय सिंह टेकाम ने छत्तीसगढ़ में देश के पहले एआईसीटीई आईडिया लैब का उद्घाटन किया। श्री शंकराचार्य इंस्टीट्यूट ऑफ प्रोफेशनल मैनेजमेंट एण्ड टेक्नोलॉजी कॉलेज रायपुर देश का पहला कॉलेज है, जहां आज अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (एआईसीटीई) आईडिया लैब प्रारंभ हुआ है। इस लैब की स्थापना से छात्रों को रिसर्च एवं इनोवेशन के लिए बेहतरीन सुविधाएं उपलब्ध होंगी। उल्लेखनीय है कि एआईसीटीई ने रायपुर स्थित शंकराचार्य कॉलेज को आईडिया लैब स्थापित करने के लिए चुना है। पूरे देश से कई इंजीनियरिंग कॉलेजों ने आवेदन किया था, जिसमें 49 कॉलेजों को सिलेक्ट किया गया। इनमें से एक रायपुर का शंकराचार्य इंजीनियरिंग कॉलेज भी है।

मंत्री डॉ. टेकाम ने कहा कि छत्तीसगढ़ राज्य के श्री शंकराचार्य इंस्टीट्यूट ऑफ प्रोफेशनल मैनेजमेंट एण्ड टेक्नोलॉजी कॉलेज को एआईसीटीई की ओर से आईडिया लैब के लिए चुना जाना इस कॉलेज के लिए नहीं, बल्कि पूरे प्रदेश के लिए गर्व की बात है। छात्र इसका सही तरीके से उपयोग कर अपना भविष्य उज्वल बना सकते हैं। उन्होंने कहा कि छात्रों को विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित के बुनियादी सिद्धांतों को समझाने और प्रयोग करके व्यवहारिक अनुभव प्राप्त करने के उद्देश्य से आईडिया लैब की स्थापना की गई है। तकनीकी संस्थानों में पढ़ रहे विद्यार्थियों की कल्पना और सोच को मूर्त रूप देने में इस आईडिया लैब की महत्वपूर्ण भूमिका होगी। इस लैब का उपयोग छात्र-छात्राओं के साथ-साथ आम लोग भी कर सकेंगे। मंत्री डॉ. टेकाम ने कहा कि नया उद्यम प्रारंभ करने वाले युवा इसका भरपूर लाभ उठा सकेंगे। किसी भी छात्र के पास कोई तकनीकी आईडिया हो तो वे इस लैब में आकर अपने सपने को साकार कर सकते हैं और अपने आईडिया को पेटेंट करा सकते हैं। उनके द्वारा डिजाईन किए गए प्रोडक्ट यहां विकसित हो सकेंगे। यह स्व-रोजगार के क्षेत्र में बड़ा कदम होगा। मंत्री डॉ. टेकाम ने विश्वास व्यक्त किया कि साधन सम्पन्न प्रयोगशाला एवं विकसित सुविधाओं का उपयोग दूरस्थ अंचल के छात्र-छात्राएं भी कर सकेंगे, ताकि वे सर्वांगीण विकास में अपनी महत्वपूर्ण भागीदारी निभा सकें। उन्होंने कहा कि श्री शंकराचार्य इंस्टीट्यूट ऑफ प्रोफेशनल मैनेजमेंट एण्ड टेक्नोलॉजी का यह दायित्व होगा कि वे छात्रों की पहचान कर उन्हें लैब की सुविधा उपलब्ध कराएं।

उल्लेखनीय है कि आईडिया लैब योजना के अंतर्गत देश के चुनिंदा संस्थानों में अनुदान दिया जाता है। जिससे संस्थान अत्याधुनिक उपकरणों की खरीदी करते हैं। इससे छात्रों के प्रशिक्षण में किसी भी तरह की कठिनाई नहीं होती। आईडिया लैब से छात्रों के इनोवेशन एवं स्टार्टअप आईडिया को विकसित करने में सहायता मिलती है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अंतर्गत आईडिया विकास, मूल्यांकन और अनुप्रयोगों को केन्द्र में रखकर इस योजना को डिजाईन किया गया है। इससे छात्रों में इमेजिनेशन, क्रिएटिविटी, क्रिटिकल, थिंकिंग, डिजाईन थिंकिंग, प्रॉब्लम सोल्विंग एवं कोलैबोरेशन जैसे स्किल का विकास होगा। यह लैब सातों दिन एवं 24 घंटे खुली रहेगी।

कार्यक्रम को एडवाईजर इंस्टिट्यूशनल डेव्हलपमेंट सेल एआईसीटीई, महाविद्यालय के चेयरमेन आईपी मिश्रा, सचिव निशांत त्रिपाठी ने भी सम्बोधित किया। इस अवसर पर प्राचार्य आलोक जैन, प्रो. अतुल चक्रवर्ती, डॉ. जेपी पात्रा, पंकज यादव और आईडिया लैब बनाने वाली पूरी टीम के सदस्य उपस्थित थे।

एसडीजी इंडिया इंडेक्स 4.0 तथा मल्टी डायमेंशनल पॉवर्टी इंडेक्स विषय पर कार्यशाला

नीति आयोग की रिपोर्ट में राज्य की रैंकिंग बेहतर करने की संभावना पर मंथन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्य योजना आयोग तथा नीति आयोग, नई दिल्ली द्वारा अपकमिंग एसडीजी इंडिया इंडेक्स 4.0 तथा मल्टीडाइमेंशनल पोवर्टी इंडेक्स विषय पर चर्चा करने के लिए मंगलवार को एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। नीति आयोग नई दिल्ली द्वारा प्रतिवर्ष एसडीजी (सतत् विकास लक्ष्य) इंडेक्स जारी किया जाता है, जिसमें प्रत्येक एसडीजी लक्ष्य हेतु राज्यों को रैंकिंग दी जाती है। अभी तक नीति आयोग इस संबंध में तीन इंडेक्स जारी कर चुका है।

कार्यशाला को संबोधित करते हुए उपाध्यक्ष, राज्य योजना आयोग, अजय सिंह ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा सतत् विकास को सुनिश्चित करने के लिए 17 एसडीजी लक्ष्य निर्धारित किये गये है और इनके उद्देश्यों की पूर्ति हेतु देश तथा राज्य प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि राज्य स्तर पर इन लक्ष्यों के अंतर्गत प्राप्त प्रगति के मूल्यांकन हेतु राज्य योजना आयोग द्वारा ''एस.डी.जी. स्टेट इंडिकेटर फ्रेमवर्क'' एवं ''एसडीजी बेसलाईन एवं प्रोग्रेस रिपोर्ट'' तैयार की गई है, जिसे मुख्यमंत्री भूपेश बघेल द्वारा 12 जुलाई 2021 को जारी किया गया है।

यह रिपोर्ट विभागों को उनकी प्रगति की नियमित समीक्षा करने, प्राथमिकता वाले क्षेत्रों की पहचान करने और साक्ष्य-आधारित नीति निर्माण को प्रोत्साहित

करने हेतु बेहद उपयोगी है। एसडीजी के राज्य में सतत विकास लक्ष्य अंतर्गत प्रगति के अनुश्रवण व अनुशीलन हेतु तीन समितियों का गठन किया गया है। मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में राज्य स्तरीय एसडीजी संचालन समिति, मुख्य सचिव की अध्यक्षता में राज्य स्तरीय एसडीजी क्रियान्वयन एवं निगरानी समिति तथा जिला कलेक्टर की अध्यक्षता में जिला स्तरीय एसडीजी क्रियान्वयन एवं निगरानी समिति गठित की गई है।

श्री सिंह ने कहा कि सतत् विकास लक्ष्य के जिला स्तर तक स्थानीयकरण एवं सतत् प्रभावी मॉनिटरिंग की सुनिश्चितता हेतु राज्य योजना आयोग ने सभी संबंधित विभागों और जिलों के अधिकारियों के परामर्श से 82 संभावित संकेतकों की पहचान करते हुए छत्तीसगढ़ एसडीजी जिला संकेतक फ्रेमवर्क (सीजी-डीआईएफ) विकसित किया है। उक्त डिस्ट्रिक्ट इंडिकेटर फ्रेमवर्क के आधार पर जिले सतत् विकास लक्ष्यो की प्रगति जिला स्तर पर भी नियमिति अनुश्रवण एवं अनुशीलन सुनिश्चित कर सकेंगे। श्री सिंह ने मल्टी डाइमेंशनल पोवर्टी इंडेक्स के बारे में जानकारी देते हुये बताया कि इसमें गरीबी के पैमाने को शिक्षा, स्वास्थ्य एवं जीवन स्तर के आधार पर आंका गया है जबकि पूर्व में इसे आर्थिक आधार पर आंका जाता था।

कार्यशाला में छत्तीसगढ़ के मुख्य सचिव अमिताभ जैन ने कहा कि राज्य सरकार मांग आधारित अर्थव्यवस्था की दिशा में फोकस कर रही है। विभिन्न योजनाओं एवं गतिविधियों के माध्यम से उपभोक्ता की आय बढ़ाकर बाजार की मांग में उत्तरोत्तर वृद्धि किये जाने का ध्येय है, जिससे राज्य की जी.डी.पी. अपेक्षानुसार बढ़ सके। उन्होंने कहा कि राज्य योजना आयोग द्वारा विगत वर्षो में की गई पहलों ने राज्य और जिला स्तर पर ठोस प्रभावी निगरानी ढांचा तैयार किया है जो निश्चित रूप से एसडीजी लक्ष्य हासिल करने में मदद करेगा।

पारंपरिक सांस्कृतिक धरोहर का प्रतीक राजकीय गमछा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। ग्रामोद्योग मंत्री गुरु रूद्रकुमार की विशेष पहल पर हाथकरघा प्रभाग नवाचार कर छत्तीसगढ़ी राजकीय गमछा का निर्माण कर रहा है। छत्तीसगढ़ राज्य की पारंपरिक सांस्कृतिक धरोहर को प्रदर्शित करते हुए संस्कृति विभाग द्वारा अनुमोदित डिजाइन के आधार पर यह राजकीय गमछा तैयार किया गया है। इस गमछा को टसर सिल्क और कॉटन में बुनकरों एवं शिल्पियों से तैयार कराया जा रहा है। राजकीय गमछा के डिजाइन में धान के कटोरा के रूप में प्रसिद्ध छत्तीसगढ़ राज्य को प्रदर्शित करने के लिए धान की बाली और हल जोतता किसान को प्रदर्शित किया गया है। राज्य की आदिवासी संस्कृति को दिखाने के लिए आदिवासी समूह नृत्य तथा मांदर को भी गमछे में उकेरा गया है। बस्तर के प्रसिद्ध गौर मुकुट, राजकीय वन भैंसा तथा राजकीय पक्षी पहाड़ी मैना को भी गमछे में अंकित किया गया है, इसके साथ ही सरगुजा की पारंपरिक भित्ति

चित्र की छाप भी गमछे के बॉर्डर में अंकित है।

उल्लेखनीय है कि टसर सिल्क गमछे में बुनकर द्वारा ताने में फिलेचर सिल्क यार्न तथा बाने में डाभा टसर यार्न एवं घिंचा यार्न का उपयोग किया गया है। गमचे की चौड़ाई 24 इंच तथा लंबाई 84 इंच है। इस टसर सिल्क गमछे की बुनाई सिवनी चांपा के बुनकरों द्वारा की गई है। गमछे की बुनाई के उपरांत इसमें सरगुजा के महिला गोदना शिल्पियों के द्वारा गोदना प्रिंट को उकेरा गया है। इस गमछे की कीमत 1534 रूपए (जीएसटी सहित) निर्धारित की गई है। इसी प्रकार कॉटन गमछा को भी राज्य के बालोद, दुर्ग, राजनांदगांव जिले के बुनकरों द्वारा हाथ करघों पर बुनाई के माध्यम से तैयार किया गया है। इस गमछे के ताने में 2/40 काउंट का कॉटन यार्न और बाने में 20 काउंट का कॉटन यार्न उपयोग किया गया है। गमछे की बुनाई के उपरांत इसमें राज्य की परंपरा को प्रदर्शित करते हुए डिजाइनों को स्क्रीन प्रिंट से तैयार कराया गया है। स्क्रीन प्रिंट का कार्य छत्तीसगढ़ राज्य हथकरघा संघ से अनुबंधित हैदराबाद की प्रिंटिंग इकाई से कराया जा रहा है। इस गमछे की चौड़ाई 24 इंच तथा लंबाई 84 इंच है। इस गमछे की कीमत 239 रूपए (जीएसटी सहित) निर्धारित की गई है। इन गमछों को राज्य के स्मृति चिन्ह के रूप में मान्यता दिए जाने से बुनाई के माध्यम से 300 बुनकरों को तथा 100 महिला गोदना शिल्पियों को वर्ष भर रोजगार प्राप्त होगा।

कार्यालयों में अनुपस्थित 68 कर्मचारियों को कारण बताओ नोटिस जारी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राज्य शासन द्वारा शासकीय कार्यालयों में अधिकारियों-कर्मचारियों की सुबह 10 बजे से शाम 5.30 बजे तक उपस्थिति के संबंध में जारी निर्देशों का पालन सुनिश्चित करने के लिए जांजगीर-चांपा जिले में 7 फरवरी को राजस्व अधिकारियों द्वारा जिला कार्यालय सहित विभिन्न कार्यालयों का सुबह 10 बजे से 10.15 बजे तक निरीक्षण किया गया। इस दौरान विभिन्न कार्यालयों में अनुपस्थित 68 कर्मचारियों को कारण बताओ नोटिस जारी किए गए हैं।

ज्ञातव्य है कि राज्य सरकार द्वारा शासकीय कर्मचारियों की कार्य क्षमता और उत्पादकता बढ़ाने के लिए पांच कार्य दिवस प्रति सप्ताह प्रणाली लागू की गई है, जिसके तहत कार्यालयों हेतु कार्यावधि सुबह 10 बजे से शाम 5.30 बजे तक निर्धारित की गई है। जांजगीर-चांपा जिले के कलेक्टर जितेन्द्र कुमार शुक्ला ने सभी विभागों के जिला प्रमुख अधिकारियों को पत्र जारी कर राज्य सरकार के आदेश का कड़ाई से पालन करने तथा बिना सूचना अनुपस्थित रहने वाले

अधिकारियों-कर्मचाारियों पर नियमानुसार कार्यवाही करने और विलंब से आने पर वेतन कटौती के निर्देश दिए हैं। इसके साथ ही सभी कार्यालय प्रमुखों को उपस्थिति पंजी की फोटो पूर्वान्ह 10.15 बजे जिले के व्हाट्सएप ग्रुप में शेयर करने को भी कहा गया है।

जांजगीर-चांपा के कलेक्टर के निर्देश पर सोमवार 7 फरवरी को अपर कलेक्टर सहित राजस्व अधिकारियों ने जिला कार्यालय व अपने कार्यक्षेत्र के विभिन्न कार्यालयों का पूर्वान्ह 10 बजे से 10.15 बजे तक निरीक्षण किया। अपर कलेक्टर ने जिला कार्यालय की विभिन्न शाखाओं की उपस्थिति पंजी का निरीक्षण किया। कलेक्टर कार्यालय में 129 कर्मचारियों में से 104 उपस्थित मिले, वहीं 14 अनुपस्थित थे। जिनमें से 3 मातृत्व अवकाश, 03 क्षेत्र भ्रमण पर थे। शेष 8 लोगों को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। सक्ती एसडीएम ने भी विभिन्न कार्यालयों का निरीक्षण किया। सक्ती जनपद कार्यालय में बिना सूचना अनुपस्थित 6 कर्मचारियों को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया। इसी प्रकार चांपा एसडीएम ने भी 5 शासकीय कार्यालयों का निरीक्षण किया। जहां 62 कर्मचारी अनुपस्थित थे। जिनमें 6 अवकाश पर थे, 2 प्रशिक्षण में थे। शेष को कारण बताओ नोटिस दिया गया है। इसी प्रकार जांजगीर, पामगढ़, डभरा के एसडीएम ने भी विभिन्न कार्यालयों का निरीक्षण किया।

मंत्री डॉ. डहरिया की पहल पर तीन सिंचाई संरचनाओं के जीर्णोद्धार के लिए पौने सात करोड़ रूपए की स्वीकृति

कोसरंगी जलाशय, पलौद स्टापडेम, सिवनी टार बांध का होगा जीर्णोद्धार एवं नहर लाईनिंग

सिंचाई क्षमता में होगी वृद्धि, किसानों को मिलेगा लाभ

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। श्रम एवं नगरीय प्रशासन मंत्री डॉ. शिव कुमार डहरिया की विशेष पहल पर आरंग क्षेत्र की तीन सिंचाई संरचनाओं के जीर्णोद्धार एवं नहरों के लाईनिंग के लिए 6 करोड़ 78 हजार 35 हजार रूपए की प्रशासकीय स्वीकृति छत्तीसगढ़ शासन द्वारा दी गई है। इन तीनों सिंचाई संरचनाओं के जीर्णोद्धार एवं नहरों की मरम्मत एवं लाईनिंग की मांग अंचल के किसानों द्वारा काफी समय से की जा रही थी। इन तीनों सिंचाई संरचनाओं के जीर्णोद्धार से इनकी सिंचाई क्षमता सुधरेगी, जिसका फायदा किसानों को मिलेगा।

मंत्री डॉ. डहरिया ने बताया कि आरंग क्षेत्र स्थित कोसरंगी जलाशय के जीर्णोद्धार एवं नहर लाईनिंग के लिए 3 करोड़ 99 लाख 69 हजार रूपए, सिवनी टार बांध के लिए जीर्णोद्धार एवं नहर लाईनिंग के लिए एक करोड़ 46 लाख 22 हजार रूपए तथा पलौद स्टापडेम शीर्ष की मरम्मत एवं नहर लाईनिंग के लिए एक करोड़ 32 लाख 44 हजार रूपए की स्वीकृति मिली है। उन्होंने बताया कि कोसरंगी जलाशय के जीर्णोद्धार एवं नहर लाईनिंग से इसकी रूपांकित सिंचाई क्षमता 1610 हेक्टेयर में 178 हेक्टेयर की कमी को पूरा करने के साथ ही 44 हेक्टेयर अतिरिक्त क्षेत्र में सिंचाई होने के साथ ही कुल 1654 हेक्टेयर में सिंचाई के लिए जलापूर्ति हो सकेगी। इसी तरह पलौद स्टापडेम का जीर्णोद्धार एवं नहर लाईनिंग करने से 80 हेक्टेयर रकबे में तथा सिवनी टार बांध के जीर्णोद्धार एवं लाईनिंग से इसकी सिंचाई क्षमता 108 हेक्टेयर की कमी को दूर करने के साथ ही कुल 210 हेक्टेयर रकबे में सिंचाई के लिए जलापूर्ति हो सकेगी।

नंदनी रोड, लिंक रोड, सर्कुलर मार्केट, जवाहर मार्केट पावर हाउस, भिलाई के प्रतिष्ठित संस्थान

नागिन बनने को लेकर उत्साहित हैं तेजस्वी प्रकाश

जीत पर सवाल उठाने वालों को दिया करारा जवाब

'बिग बॉस' में आने के बाद तेजस्वी प्रकाश के सितारे बुलंदियों पर हैं। एक तो उन्होंने इस शो का 15वां सीजन जीत लिया, दूसरा उन्हें एकता कपूर के 'नागिन 6' में नई नागिन के रोल में साइन कर लिया गया। नागिन 6, 12 फरवरी, 2022 से शुरू हो रहा है। शो के कई सारे प्रोमो रिलीज किए गए हैं जिसमें तेजस्वी के लुक को काफी पसंद किया जा रहा है। नागिन शो को लेकर उमर उजाला ने तेजस्वी प्रकाश से विशेष बात की है। नागिन और बिग बॉस के घर से जुड़े सवालों का भी तेजस्वी ने बड़ी ही बेबाकी से जवाब दिया है।

इस बार नागिन की स्टोरी जरा हटकर रहने वाली है, आप इसे किस तरह से देखती हैं?

नागिन सीरीज टीवी की सबसे बड़ी फ्रैंचाइजी में से एक है। मैं इसमें काम करेन को लेकर उत्साहित हूं। इस बार की नागिन पहले से काफी अलग है। सभी से ज्यादा ताकतवर और सर्वश्रेष्ठ नागिन है। उसका उद्देश्य पूरे देश को महामारी से बचाने का है, इसलिए नागिन भी इस बार ताकतवर है। नागिन के रास्ते में कठिनाइयां तो आएंगे लेकिन नागिन कैसे इसे हल करेगी लोगों को कैसे बचाएगी ये आप सभी को देखना है।

आपने अब तक कई शोज में काम किया है, इनमें से कोई ऐसा शो जो आपके दिल के करीब हो?

मेरे दिल के करीब बिग बॉस रहा है। क्योंकि मैं इस शो की विनर रही हूं। अगर विनर न भी होती तो भी यह मेरा पसंदीदा शो रहता। मैंने इस शो से बहुत कुछ सीखा है। शो ने लोगों के

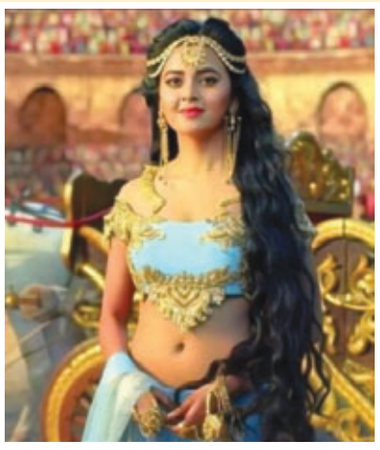

बारे में और मुझे अपने बारे में भी जानने का मौका दिया। ये शो खुद को चैलेंज करने पर मजबूर करता है। आप किस तरह के इंसान है, इस शो के जरिए दुनिया देख सकती है। मैंने बहुत मेहनत की है और कई लोगों ने मेरी इस मेहनत की तारीफ की है। इसलिए मैं हमेशा बिग बॉस की शुक्रगुजार रहूंगी।

अपनी पसंदीदा नागिन के तौर पर आप किसे देखती हैं?

मेरी पसंदीदा नागिन मौनी और अदा हैं। दोनों ने पहले सीजन में कमाल का काम किया था। मुझे दोनों का काम बहुत पसंद आया।

आप जब बिग बॉस की विनर बनीं सोशल मीडिया पर कुछ लोगों ने नराजगी जताई?

जो लोग चाहते थे मैं न जीतूं उनकी वजह से ही मैं जीत पाई हूं। क्योंकि बहुत सी चीजें वो लोग नहीं चाहते थे और मैंने किया। उनकी दिक्कतें घर में मेरे वीआईपी बनने के बाद से ही शुरू हो गई थीं। जाहिर है उनका रिएक्शन ऐसा ही होगा। मैं लोगों से ज्यादा उम्मीद नहीं रखती हूं। मेरे दुनिया अलग है... मैं सिंपल रहना पसंद करती हूं। मैं मुंबई से हूं और मेरे स्कूल के दोस्त, कॉलेज के दोस्त ही मेरी असली दुनिया हैं। मुझे लगता है जिंदगी में कुछ हासिल करने से पहले जो लोग आपके साथ रहते हैं वही आपके असली दोस्त होते हैं।

ग्लोइंग त्वचा के लिए आजमाएं ये आसान हैक्स

हम सभी एक हेल्दी और ग्लोइंग त्वचा पाना चाहते हैं. हालांकि ये सभी के लिए संभव नहीं है क्योंकि बहुत से लोगों को त्वचा संबंधित कई समस्याओं का सामना करना पड़ता है. इसका मतलब ये नहीं है कि हम ग्लोइंग स्किन नहीं दिखा सकते. ऐसी त्वचा पाने के लिए बस थोड़े से प्रयास की जरूरत होती है. आप अपने स्किनकेयर रूटीन में ये चीजें शामिल कर सकते हैं. ये आपकी त्वचा की गुणवत्ता में काफी सुधार कर सकती हैं. आपको बस इन आसान हैक्स के साथ अपनी त्वचा को पोषित करने की जरूरत है.

अपने मॉइस्चराइजर के साथ फेशियल ऑयल मिलाएं

बाहर से मुलायम और नमीयुक्त दिखने के लिए आपकी त्वचा को गहरे पोषण की आवश्यकता होती है. इसे पाने के लिए एक अच्छे मॉइस्चराइजिंग बॉडी मिल्क या लोशन का इस्तेमाल करें. इसे अपनी दैनिक स्किनकेयर रूटीन में शामिल करें. अगर आप अपने मॉइश्चराइजर में फेशियल ऑयल मिला लेंगी तो आपको और भी फायदे होंगे. फेशियल ऑयल आपकी त्वचा की प्राकृतिक चमक को बढ़ा सकते हैं और साथ ही इसे फ्री रेडिकल्स से होने वाले नुकसान से भी बचा सकते हैं.

हाइड्रेटिंग टोनर/ मिस्ट का इस्तेमाल करें

टोनिंग किसी भी स्किनकेयर रूटीन का एक अहम हिस्सा होता है. ये त्वचा पर जमा गंदगी को हटाने में मदद करता है. ये आपकी त्वचा को मॉइस्चराइज और ग्लोइंग बनाए रखने में मदद करता है. ये आपकी त्वचा को हाइड्रेट करता है. आप घर पर टोनर बना सकते हैं.

सनस्क्रीन लगाएं

सनस्क्रीन का इस्तेमाल न केवल तब करना चाहिए जब आप धूप में बाहर हों, बल्कि तब भी जब आप अंदर हों. मॉइस्चराइजर के ऊपर सनस्क्रीन लगाना एक अच्छा विचार है, चाहे वह दिन का कोई भी समय हो, कोई भी मौसम हो, या आप कहीं भी हों. जितना हो सके धूप से दूर रहने की कोशिश करें और धूप में त्वचा को ढक लें. हर तीन घंटे में सनस्क्रीन दोबारा लगाएं.

सप्ताह में दो बार एक्सफोलिएशन आवश्यक है

आपकी त्वचा को मुलायम और हेल्दी बनाए रखने के लिए एक्सफोलिएशन आवश्यक है. एक्सफोलीएटिंग आपकी त्वचा की सतह से मृत त्वचा कोशिकाओं, धूल, गंदगी और अशुद्धियों को हटाता है. मुंहासों को रोकने के लिए नियमित एक्सफोलिएशन बंद रोमछिद्रों और बालों के रोम को साफ करता है. ये आपकी त्वचा को मॉइस्चराइजर और अन्य स्किनकेयर प्रोडक्ट को अधिक तेजी से अवशोषित करने में भी मदद करता है. हफ्ते में दो बार हल्के हाथों से एक्सफोलिएट करना त्वचा के लिए बहुत अच्छा होता है.

हैप्पी बर्थडे राहुल रॉय: 20 मिनट की मुलाकात में ही महेश भट्ट ने कर लिया था साइन, आशिकी हिट होने के बाद मिले थे 60 फिल्मों के ऑफर

आशिकी फेम एक्टर राहुल रॉय आज अपना 54वां जन्मदिन मना रहे हैं। राहुल का शुरुआती करियर कई फ्लॉप फिल्मों से शुरू हुआ था, हालांकि एक समय ऐसा भी था जब उन्हें खूब कामयाबी हासिल हुई। आज एक्टर के जन्मदिन के खास मौके पर आइए जानते हैं उनसे जुड़ी कुछ अनसुनी बातें-

मां की वजह से मिला था फिल्मों में ब्रेक

राहुल रॉय की मां इंदिरा रॉय एक कॉलमिस्ट थीं और पिता दीपक एक बिजनेसमैन। राहुल को उनकी जिंदगी का पहला ब्रेक मां इंदिरा के कारण मिला था। 1980 के दशक में मां इंदिरा एक फैशन मैग्जीन के लिए लिखती थीं। उनके एक कॉलम से इंप्रेस होकर महेश भट्ट ने एक मीटिंग रखी। उस समय राहुल मॉडलिंग की दुनिया में पहचान बनाने के लिए संघर्ष कर रहे थे। जब मीटिंग के दौरान इंदिरा ने महेश को बेटे राहुल की तस्वीरें दिखाईं तो उन्होंने झट से उन्हें अपनी फिल्म आशिकी में लेने का मन बना लिया।

साल 1990 में रिलीज हुई राहुल की पहली फिल्म एक जबरदस्त हिट साबित हुई थी, जिसके गाने आज भी लोगों की जुबान पर हैं। गाने के साथ राहुल की हेयरस्टाइल भी उस जमाने में ट्रेंड में थी। हजारों लोगों ने उन्हें कॉपी करते हुए ठीक वैसी ही हेयरस्टाइल रख ली थी। राहुल के साथ ये अनु अग्रवाल की भी डेब्यू फिल्म थी, जिसने दोनों को रातों-रात स्टार बना दिया था।

आशिकी हिट होने के बाद मिले 60 फिल्मों के ऑफर

शायद ही किसी बॉलीवुड एक्टर के साथ ऐसा हुआ हो जब उसे एक साथ एक दो नहीं बल्कि पूरी 60 फिल्में ऑफर हुई हों। ठीक ऐसा ही हुआ था राहुल रॉय के साथ। एक्टर ने इस गोल्डन चांस को हाथ से जाने नहीं दिया और सभी फिल्में साइन कर लीं, हालांकि इनमें से ज्यादातर ठंडे बस्ते में चली गईं।

साइन की गई सभी 60 फिल्मों में से राहुल चंद फिल्मों में ही नजर आए थे। शूटिंग में व्यस्त होने के कारण राहुल ने ज्यादातर फिल्ममेकर्स को साइनिंग अमाउंट वापस कर दिया था। राहुल की दर्जनों फिल्में रिलीज हुईं, हालांकि इनमें से ज्यादातर फ्लॉप थीं। महज सात सालों में ही राहुल का फिल्मी करियर लगभग खत्म होने लगा और वो साइड हीरो बनकर नजर आने लगे।

इन एक्ट्रेसेस से जुड़ा नाम

जानम, जुनून और फिर तेरी कहानी फिल्मों में साथ नजर आ चुके राहुल रॉय और पूजा भट्ट की ऑफस्क्रीन भी नजदीकियां बढ़ रही थीं। शूटिंग के बाद कपल को साथ स्पॉट किया जाने लगा था। दोनों का अफेयर कुछ ही महीनों में खत्म हो गया था, हालांकि इंटरव्यू के दौरान कपल हमेशा से ही अपने रिश्ते को दोस्ती का नाम देते आए थे।

मझधार और अचानक फिल्मों में साथ करते हुए मनीषा कोइराला और राहुल की नजदीकियां काफी बढ़ गई थीं। एक समय में खबरें थीं कि राहुल रॉय और एक्ट्रेस मनीषा कोइराला ने सगाई कर ली है, हालांकि इसकी कोई ऑफिशियल अनाउंसमेंट नहीं की गई थी। कुछ समय बाद अपने करियर में व्यस्त होने के कारण दोनों ने ब्रेकअप कर लिया था।

मनीषा के अलावा राहुल की 1993 में एक्ट्रेस सुमन रंगानाथन और मॉडल फरहीन खान से भी सगाई की खबरें उड़ी थीं।

राहुल और मॉडल राजलक्ष्मी ने कई सालों तक रिलेशनशिप में रहने के बाद साल 2000 में शादी की थी। शादी के 14 साल बाद कपल ने 2014 में तलाक ले लिया था।

टेलीविजन में आजमाई किस्मत

बॉलीवुड में काम मिलना बंद होने पर राहुल रॉय ने टेलीविजन इंडस्ट्री की तरफ रुख कर लिया। एक्टर साल 1998 के शो कैसे कहूं में लीड रोल में नजर आए थे। उन्हें मौना शौरी कपूर (बोनी कपूर की पत्नी) ने कास्ट किया था। इसके बाद राहुल, करिश्मा: द मिरेकल ऑफ डेस्टिनी का हिस्सा बने।

साल 2006-07 में रिलीज हुए पॉपुलर रियलिटी शो बिग बॉस के पहले सीजन की ट्रॉफी भी राहुल ने अपने नाम की थी।

जब शूटिंग के दौरान राहुल के हाथ जख्मी हुआ शख्स

जब-जब दिल मिले फिल्म की शूटिंग के दौरान राहुल लीगल पचड़े में फंस गए थे। एक एक्शन सीक्वेंस की शूटिंग के दौरान राहुल की जीप आउट ऑफ कंट्रोल होकर शूटिंग देख रहे शख्स से जा टकराई थी। हादसे में शख्स गंभीर रूप से जख्मी हो गया था, जिससे एक्टर के खिलाफ गोरेगांव पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज हुई थी। फिल्म के प्रोड्यूसर ने मामला संभालते हुए राहुल को अरेस्ट होने से बचाया था।

प्यार ही नहीं सेहत के लिए भी फायदेमंद है चॉकलेट, इन फायदों से कहीं आप अनजान तो नहीं

आज चॉकलेट डे है। वैलेंटाइन सप्ताह के तीसरे दिन यानी 9 फरवरी को चॉकलेट डे के तौर पर मनाया जाता है। इस दिन लोग चॉकलेट देकर अपनी भावनाएं जाहिर करते हैं। रिश्ते में मिठास और प्यार से जोड़कर चॉकलेट को देखा जाता है लेकिन चॉकलेट का नाता केवल प्यार से ही नहीं है, बल्कि चॉकलेट सेहत से भी है। मीठी चॉकलेट सेहत के लिए भी काफी फायदेमंद है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों के मुताबिक, दूध और अन्य चॉकलेट की तुलना में डार्क चॉकलेट खाना सेहत के लिए बेहतर विकल्प हो सकता है। डार्क चॉकलेट कई तरह के पोषक तत्वों से भरपूर है। डार्क चॉकलेट कोको के बीज से बनती है, जो एंटीऑक्सीडेंट के सबसे अच्छे स्रोतों में से एक है। ल डार्क चॉकलेट हृदय रोग के जोखिम को कम कर सकता है। चॉकलेट का सेवन आपके स्वास्थ्य में सुधार करता है।

ब्लड प्रेशर में सुधार चॉकलेट को लेकर हुए अध्ययन के मुताबिक, डार्क चॉकलेट में फ्लेवनॉल्स पाया जाता है। फ्लेवनॉल्स शरीर में नाइट्रिक ऑक्साइड के उत्पादन को बढ़ाने के लिए धमनियों की परत को उत्तेजित करती है। नाइट्रिक ऑक्साइड धमनियों को आराम देता है और रक्त प्रवाह के प्रतिरोध को कम करने में सहायक होता है। जिसकी वजह से ब्लड प्रेशर का खतरा कम हो सकता है। कोको के बीज और डार्क चॉकलेट, रक्त प्रवाह और रक्तचाप के स्तर में सुधार कर सकते हैं।

चॉकलेट त्वचा के लिए फायदेमंद

डार्क चॉकलेट त्वचा के लिए भी लाभकारी होती है। चॉकलेट में पाए जाने वाले बायोएक्टिव कंपाउंड त्वचा के लिए बहुत अच्छे हो सकते हैं। विशेषज्ञों के मुताबिक, डार्क चॉकलेट में पाए जाने वाले फ्लेवनॉल्स सूरज की किरणों से त्वचा की रक्षा करते हैं। त्वचा में रक्त प्रवाह में सुधार करने के लिए भी डार्क चॉकलेट असरदार है। साथ ही स्किन को हाइड्रेट बनाए रखने में भी डार्क चॉकलेट फायदेमंद है। त्वचा को स्वस्थ रखने और अंदरूनी पोषण के लिए चॉकलेट का इस्तेमाल किया जा सकता है।

मानसिक स्वास्थ्य में सुधार मस्तिष्क को स्वस्थ रखने में भी डार्क चॉकलेट सहायक है। डार्क चॉकलेट दिमाग की कार्यप्रणाली को बेहतर बना सकता है। अध्ययन के मुताबिक, लगभग 5 दिनों तक हाई फ्लेवनॉल कोको यानी डार्क चॉकलेट खाने से मस्तिष्क में रक्त प्रवाह में सुधार हो सकता है।

विज्ञापन के लिए संपर्क करें :-
9303289950, 9827806026,
8962815243

Hotel Shiv Prabha Inn.
& Town King
The Family Restaurant
46-C Market, Near Sapana Talkies & Hotel
Apana Keshari Lodge,
Power House,
Bhilai, Distt.-Durg (C.G.)
9893215251, 8966981590
Email.: ranjanaguptakeshari@gmail.com

मोमोस नास्ता सेंटर...
थापा शुद्ध मोमोस सेंटर
फुल हाफ
वेज मोमोस 40/- 20/-
मनचुरियन मोमोस 50/- 30/-
पनीर मोमोस 60/- 30/-
मोमोस-10, 20 और 30 रू. का भी मिलता है। शुद्ध बिना ऑयल का बना
मो.-9977690915, 7898349602
सर्कुलर मार्केट, पावर हाउस, भिलाई

● जीन्स
● टी-शर्ट
● शर्ट
● ट्राउजर
भारत जींस
जवाहर मार्केट,
पावर हाउस, भिलाई

लिजना स्पोर्ट्स वियर
हमारे यहां सुपरपॉली, करारा, ड्राईफिट, एन.एस लावकरा आदि कपड़ों के लोवर, चड्डा, बनाये जाते है, एवं स्पोर्ट्स की टी-शर्ट होलसेल रेट में बनाए जाते हैं
संबंधित संस्थान
New J.P. Sports
Shop No. E-20, Circular Market, Camp-2, Bhilai
Mo. Lovely: 9993338252, 9300878988

श्रीराम कलेक्शन
बच्चों के आकर्षक रेडिमेड वस्त्रों के विक्रेता
जवाहर मार्केट केम्प-2,
पावर हाउस, भिलाई
789805563, 9827178585

श्री सांई जींस कॉर्नर
ओम सांई कलेक्शन
■ मेन्स वेयर ■ किड्स वेयर
■ लेडिस वेयर ■ वेडिंग कलेक्शन
9827115003, 9806303000
जवाहर मार्केट, केम्प-2, पावर हाउस, भिलाई

रामजाने स्वादिष्ट चाट भंडार
शादी एवं पार्टी में ऑर्डर लिया जाता है
संपर्क करें : 8871247959

नाकोड़ा साड़ी सेंटर
एक्सक्लूसिव साड़ी शोरूम
फैंसी साड़ी, वैवाहिक साड़ियां
डिजाईनर साड़ियां एवं
सलवार सूट, लांचा
जवाहर मार्केट, केम्प-2, पावर हाउस, भिलाई

प्रमोद इंटरप्राइजेस
गेंहू, चांवल एवं दाल के थोक विक्रेता
लिंग रोड, केम्प-2, भिलाई-दुर्ग
फोनः 0788-2225449, 93290-13017

खास खबर

आश्वासन अभियान के तहत प्रचार वाहनों को हरी झंडी दिखाकर कलेक्टर ने किया रवाना

कांकेर । जिले में कोविड एवं टीबी के संक्रमण की कड़ी तोड़ने के लिए अनामया अभियान के तहत् आश्वासन का शुभारंभ कलेक्टर चन्दन कुमार द्वारा आज किया गया। उनके द्वारा जिला कार्यालय परिसर से स्वास्थ्य विभाग के चार प्रचार वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. जे.एल. उइके, सिविल सर्जन डॉ. आर.सी. ठाकुर भी मौजूद थे। प्रचार-प्रसार वाहनों के माध्यम से जिले के सभी विकासखंडों में कोविड एवं टी.बी. के संबंध में जागरूकता अभियान चलाया जायेगा, ताकि लोगों में कोविड वैक्सीन के प्रति गलत धारणाओं, भ्रांतियों एवं झिझक को दूर किया जाकर आमजन को कोविड अनुकूल व्यवहार को अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया जा सके। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. जे.एल. उइके ने बताया कि अनामया अभियान के तहत् गांव स्तर पर टी.बी. के सक्रिय मरीजों के खोज हेतु स्वास्थ्य कार्यकर्ता एवं मितानिन द्वारा सघन खोज अभियान के माध्यम से लक्षणों के आधार पर बलगम की जांच करवाई जायेगी और रोग की पुष्टि होने पर सरकार द्वारा नि:शुल्क टी.बी. का उपचार प्रदान किया जायेगा, ताकि टी.बी. जैसे संक्रामक रोग को फैलने से रोका जा सके।

दो दिवसीय सिरपुर महोत्सव 16 से, तैयारी शुरू

महासमुंद । कलेक्टर निलेश क्षीरसागर ने आज कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में समय सीमा की बैठक में सिरपुर महोत्सव के आयोजन के लिए की जा रही तैयारियों की समीक्षा की। सिरपुर महोत्सव का दो दिवसीय आयोजन 16 एवं 17 फरवरी को होगा। यह आयोजन कोरोना (कोविड-19) के संक्रमण से रोकथाम हेतु शासन के दिशा-निर्देशों के परिपालन को ध्यान में रखते हुए किया जाएगा। इस महोत्सव में सांस्कृतिक कार्यक्रमों के अलावा विभिन्न विभागों के स्व-सहायता समूहों के उत्पादों की बिक्री सह-प्रदर्शनी से संबंधित स्टॉल लगाए जाएंगे। सिरपुर महोत्सव के आयोजन के लिए नोडल अधिकारी अतिरिक्त ज़िला दंडाधिकारी को बनाया गया है। एसडीएम महासमुंद सहायक नोडल अधिकारी होंगे।

वैज्ञानिकों ने फ्लुओरेसेंस रीडआउट द्वारा सार्स-कोव-2 का पता लगाने नए टेक्नोलॉजी प्लेटफॉर्म किया विकसित

श्रीकंचनपथ न्यूज

नईदिल्ली (पीआईबी)। वैज्ञानिकों की एक टीम ने एक नई प्रौद्योगिकी का विकास किया है, जो उत्सर्जित फ्लुओरेसेंट प्रकाश के मापन द्वारा वायरस जैसे रोगजनकों के फ्लुओरोमीट्रिक का पता लगाने के लिए एक टेक्नोलॉजी प्लेटफॉर्म है। सार्स-कोव-2 का पता लगाने के लिए नई प्रौद्योगिकी की क्षमता प्रदर्शित की गई है। इस टेक्नोलॉजी प्लेटफॉर्म का उपयोग एचआईवी, इंफ्लुएंजा, एचसीवी, जीका, इबोला, बैक्टेरिया तथा अन्य उत्परिवर्तित/उभरने वाले रोगजनकों जैसे दूसरे डीएनए/आरएनए रोगजनकों का पता लगाने के लिए भी किया जा सकता है।

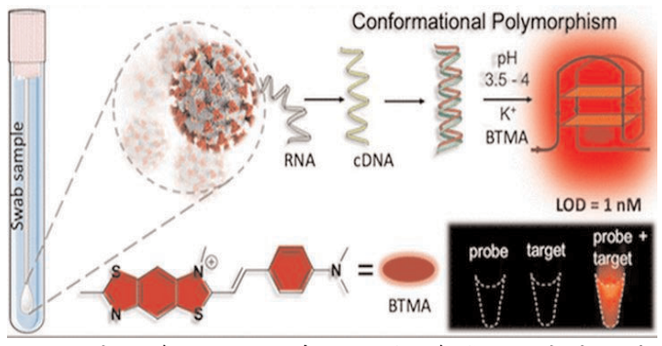

वायरस मानव स्वास्थ्य के लिए एक प्रमुख वैश्विक खतरा है तथा सार्स-कोव-2 द्वारा उत्पन्न वर्तमान में जारी कोविड-19 महामारी ने हमारे जीवन के सभी पहलुओं पर विनाशकारी प्रभाव डालना जारी रखा है। आरएनए वायरस की अभूतपूर्व ट्रांसमिशन दर के कारण कांटैक्ट ट्रेसिंग (प्रसार को रोकने के लिए) को सुगम बनाने के लिए त्वरित तथा सटीक निदान एवं समय पर उपचार प्रदान करना आवश्यक हो गया है। भारत सरकार के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के एक स्वायत्तशासी संस्थान जवाहर लाल नेहरू उन्नत वैज्ञानिक अनुसंधान केंद्र (जेएनसीएएसआर) के वैज्ञानिकों ने आईआईएससी (भारत विज्ञान संस्थान) के वैज्ञानिकों के साथ मिल कर कोविड-19 नैदानिक नमूनों का पता लगाने के लिए एक गैरकैनोनिकल न्यूक्लिक एसिड आधारित जी-क्वारुप्लेक्स (जीक्यू) टोपोलॉजी लक्षित भरोसेमंद गठनात्मक पोलिमौर्फिज्म (जीक्यू-आरसीपी) प्लेटफॉर्म का प्रदर्शन किया है। यह शोध पत्र अभी हाल ही में जर्नल 'एसीएस सेंसर्स' में प्रकाशित हुआ है तथा टीम ने अभिनव प्रौद्योगिकी के लिए एक पैटेंट भी दायर किया है।

वर्तमान शोध पत्र ने एक अभिनव प्लेटफॉर्म जीक्यू-आरसीपी पर आधारित नैदानिक नमूनों में सार्स-कोव-2 के लिए पहले लक्षित डायग्नोस्टिक प्लेटफॉर्म को प्रदर्शित किया। इस आणविक पहचान प्लेटफॉर्म को अधिक विश्वसनीयता तथा सेक्वेंस विशिष्टता के साथ प्रक्षेत्र-तैनाती योग्य आइसोथर्मल एंप्लीकेशन जांचों में समेकित किया जा सकता है।

यह प्लेटफॉर्म स्थिर तथा भरोसेमंद गैरकैनोनिकल डीएनए/आरएनए लक्ष्यों को अर्जित करने के लिए न्यूक्लिक एसिडों में परस्पर संपर्कों के एक अनूठे समूह की व्याख्या करने तथा प्रणालीगत लक्षण वर्णन पर अधिक जोर देता है। आरसीपी आधारित लक्ष्य सत्यापन बैक्टेरिया तथा डीएनए/आरएनए वायरस सहित विविध रोगजनकों के लिए एक गैरकैनोनिकल न्यूक्लिक एसिड लक्षित डायग्नोस्टिक प्लेटफॉर्म के विकास के लिए एक सामान्य तथा मॉड्यूलर दृष्टिकोण है। सार्स-कोव-2 (कोविड-19) की सटीक पहचान के लिए आरटी-क्यू-पीसीआर स्वर्ण मानक रहा है। सार्स-कोव-2 के न्यूक्लिक एसिड लक्षित निदान पर हाल के नवोन्मेषणों के बीच, आरटी-आरपीए तथा आरटी-लैम्प जैसी तकनीकें सामान्य प्रयोजन डीएनए सेंसिंग जांच का उपयोग करती हैं। यह गैर विशिष्ट एम्प्लीफिकेशन उत्पादों की पूर्वाग्रहरहित पहचान से उत्पन्न फॉल्स-पोजिटिव परिणामों के रुझान को बढ़ाता है।

भरोसेमंद रीडआउट अर्जित करने के लिए अनूठे द्वितीयक अनुरुपताओं की पहचान करना एक आशाजनक समाधान हो सकता है। टीम ने सार्स-कोव-2 की विशिष्टता का पता लगाने के लिए सार्स-कोव-2 के 30 केबी (किलोबाइट्स) जिनोमिक लैंडस्केप से उत्पन्न एक अनूठे जी-क्वाडरुप्लक्स आधारित लक्ष्य की पहचान की है तथा उसका लक्षण वर्णन किया है। यह शोध पत्र छोटे मोलेक्यूल फ्लुओरोफोर्स का उपयोग करने के जरिये सार्स-कोव-2 सेक्वेंस के लिए विशिष्ट एक अभिनव, गैर पारंपरिक संरचना को लक्षित करने के लिए एक पूरी तरह से नई कार्यनीति प्रस्तुत करता है।

आईएमपीसीएल ने आयुष मंत्रालय को 1.5 करोड़ रुपये से अधिक का लाभांश दिया

नईदिल्ली। भारत सरकार के आयुष मंत्रालय के तहत काम करने वाले केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यम (सीपीएसई) भारतीय दवाएं औषधि निगम लिमिटेड (आईएमपीसीएल) ने अपने हितधारकों आयुष मंत्रालय और उत्तराखंड सरकार को 1.65 करोड़ रुपये का लाभांश देने की घोषणा की है। आयुष भवन में आज आयोजित समारोह में आयुष मंत्री सर्बानंद सोनोवाल को लाभांश का चेक प्रदान किया गया।

आईएमपीसीएल को मिनी रत्न कंपनी स्वीकार करते हुए मंत्री ने कहा कि दवाओं की आयुष प्रणाली को दुनिया भर में मान्यता दी जा रही है और बाजार का आकार भी बढ़ रहा है। आईएमपीसीएल ने कर पश्चात लाभ (पीएटी) पर 15 प्रतिशत लाभांश का भुगतान किया है जो कि 1.66 करोड़ रुपये है। वर्ष 2020-21 में भारत सरकार को 1.63 करोड़ रुपये और मेसर्स केएमवीएन लिमिटेड को 3 लाख रुपये का लाभांश अनुपात दिया गया है। आईएमपीसीएल आयुष मंत्रालय के प्रशासनिक नियंत्रण में सार्वजनिक क्षेत्र का उपक्रम है। यह एक संयुक्त उद्यम कंपनी है, जिसमें भारत सरकार की 98.11 प्रतिशत और उत्तराखंड की 1.89 प्रतिशत हिस्सेदारी है। विभिन्न रोगों के विस्तृत श्रेणी के लिए प्रमाणन से संबंधित यह कंपनी वर्तमान में 656 पारंपरिक आयुर्वेदिक, 332 यूनानी और 71 ट्रेडमार्क युक्त आयुर्वेदिक दवाओं का निर्माण कर रही है। हाल ही में आईएमपीसीएल को 18 आयुर्वेदिक उत्पादों के लिए डीसीजी(इ) द्वारा डब्ल्यूएचओजीएमपी/सीओपीपी प्रमाणन प्रदान किया गया है, जिससे निर्यात कारोबार का पता लगाने का अवसर प्राप्त हुआ है।

आईएमपीसीएल के प्रबंध निदेशक डॉ. मुकेश कुमार ने बताया कि कंपनी द्वारा वर्ष 2020-2021 के लाभांश के रूप में आयुष मंत्रालय के कैबिनेट मंत्री को कुल 1,62,64,182 रुपये की राशि सौंपी गई। इसी तरह उत्तराखंड सरकार के तहत काम करने वाले सरकारी उपक्रम कुमाऊं मंडल विकास निगम (केएमवीएनएल) के माध्यम से उत्तराखंड राज्य सरकार को 3,13,315 रुपये सौंपे गए। लाभांश के रूप में कुल 1,65,77,497 रुपये की राशि सौंपी गई।

दंतेवाड़ा के आदिवासी बच्चे बनेंगे डॉक्टर, कलेक्टर ने बढ़ाया बच्चों का उत्साह

दूरस्थ वनांचल में सरकार की पहल पर उच्च शिक्षा के लिए विशेष प्रबंध

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। प्रदेश के दूरस्थ वनांचल स्थित दक्षिण बस्तर (दंतेवाड़ा) जिले के आदिवासी बच्चों का डॉक्टर बनने का सपना साकार हो रहा है। इस बार नीट परीक्षा वर्ष 2021 में जिले से 7 बच्चों का चयन मेडिकल कॉलेज में हुआ है।

मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल के निर्देशानुसार जिला प्रशासन द्वारा उच्च शिक्षा हेतु विशेष प्रबंध किए गए हैं। इसी के तहत संचालित विशेष कोचिंग संस्था अंतर्गत इन बच्चों ने साल भर कोचिंग प्राप्त करके सफ्लता का परचम लहराया। जिसमें पीयूषा वेक, नीट स्कोर 481 पं. जवाहर लाल नेहरू मेमोरियल मेडिकल कॉलेज रायपुर, रमशीला वेक, नीट स्कोर 419, पं.जवाहर लाल नेहरू मेमोरियल मेडिकल कॉलेज रायपुर, पदमा मड़े, नीट स्कोर 415 छतीसगढ़ इंस्टीटयूट ऑफ मेडिकल साइंस बिलासपुर, इंदू, नीट स्कोर 403, छतीसगढ़ इंस्टीटयूट ऑफ मेडिकल साइंस बिलासपुर, आरती नेताम, नीट स्कोर 384, बलिराम कश्यप मेमोरियल गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज जगदलपुर, पिन्टु राम, नीट स्कोर 362, राजमाता श्रीमती देवेन्द्र कुमारी सिंहदेव गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज अंबिकापुर एवं सलवम पाले नीट स्कोर 311 का गवर्नमेंट डेन्टल कॉलेज रायपुर में चयन हुआ है। कलेक्टर श्री दीपक सोनी ने सभी बच्चों को अपने हाथों से मिठाई खिलाकर बधाई दी और उनके उज्जवल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी। उन्होंने बच्चों को इसी तरीके से भविष्य में भी जिले, राज्य और देश का नाम रोशन करते रहने के लिए प्रोत्साहित किया।

कलेक्टर बंसल ने आश्वासन अभियान के तहत प्रचार वाहनों को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

श्रीकंचनपथ न्यूज

जगदलपुर। जिले में कोविड एवं टीबी के संक्रमण की कड़ी तोड़ने के लिए "आश्वासन" अभियान का शुभारंभ कलेक्टर रजत बंसल द्वारा आज किया गया। उनके द्वारा जिला कार्यालय परिसर से स्वास्थ्य विभाग के प्रचार वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। इस अवसर पर जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी रोहित व्यास, सहायक कलेक्टर सु सुरुचि सिंह, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. डी राजन, जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ मैत्री, सहित स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी उपस्थित थे। प्रचार-प्रसार वाहनों के माध्यम से जिले के सभी विकासखंडों में कोविड एवं टी.बी. के संबंध में जागरूकता अभियान चलाया जायेगा, ताकि लोगों में कोविड वैक्सीन के प्रति गलत धारणाओं, भ्रांतियों एवं झिझक को दूर किया जाकर आमजन को कोविड अनुकूल व्यवहार को अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया जा सके।

इस अभियान के तहत् गांव स्तर पर टी.बी. के सक्रिय मरीजों के खोज हेतु स्वास्थ्य कार्यकर्ता एवं मितानिन द्वारा सघन खोज अभियान के माध्यम से लक्षणों के आधार पर बलगम की जांच करवाई जायेगी और रोग की पुष्टि होने पर सरकार द्वारा नि:शुल्क टी.बी. का उपचार प्रदान किया जायेगा, ताकि टी.बी. जैसे संक्रामक रोग को फैलने से रोका जा सके।

सघन टी.बी. (डोर टू डोर सर्वे) खोज अभियान के माध्यम से लोगों को जांच के लिए शासकीय स्वास्थ्य केन्द्रां पर जाने की आवश्यकता नहीं होगी, बल्कि उनके घरों से ही जॉच के लिए खखार का सेम्पल लेकर परीक्षण हेतु स्वास्थ्य केन्द्रों में भेजा जायेगा।

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार भिलाई के न्यायालय में मामला
क्रमांक: 202201101000210/ 202201101000210
विषय:- अ-6 सन:- 2021-2022
मामले की श्रेणी राजस्व
कोहका प.ह.न. 00019 [(हे0)]
पक्षकारों का विवरण - आवेदक पक्षकार तहसीन अख्तर,
अनावेदक पक्षकार -

ईश्तहार

आवेदक-तहसीन अख्तर पिता नसीम अनवर बेग पता-फरीद नगर कोहका भिलाई द्वारा ग्राम-कोहका प.ह.न. 19. रा.नि.म. कोहका, तहसील व जिला-दुर्ग स्थित भूमि स्वामी हक की भूमि ख.न.1282/2 रकबा 0.0150 हे. 1650 वर्गफीट भूमि को रजिस्टर्ड बैनामा के आधार पर बैनामा दिनांक18/10/2021 को विक्रेता इकबाल कुरैशी पिता अब्दूल कलाम निवासी कैम्प 01 भिलाई से क्रय किया है कि नामांतरण किये जाने बाबत आवेदन पत्र मय बैनामा की छाया प्रति प्रस्तुत किया गया है।

अतएव इस संबंध में किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार का उजर या दावा हो तो वह नियत पेशी दिनांक 25/02/2022 तक स्वयं अथवा अपने विधिमान्य अभिकर्ता के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर लिखित में आपत्ति आवेदन पेश कर सकते है। समयवधि पश्चात आपत्ति प्रस्तुत होने पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 25/01/2022 को जारी किया जाता है।

YOGENDRA KUMAR VERMA
अतिरिक्त तहसीलदार
दुर्ग

निधन

रोशनी शर्मा

भिलाई। फरीद नगर निवासी रोशनी शर्मा (46 वर्ष) का 8 फरवरी को निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार आज दोपहर राम नगर मुक्तिधाम में किया गया। वे राजू शर्मा की पत्नी और विक्की शर्मा की मां थी।

कलेक्टर एवं एसपी ने सुनी जनसंवाद कक्ष में ग्रामीणों की समस्याए, संबंधित अधिकारियों को त्वरित निराकरण के दिए निर्देश

श्रीकंचनपथ न्यूज

सूरजपुर। कलेक्टर डॉ. गौरव कुमार सिंह एवं पुलिस अधीक्षक राजेश अग्रवाल ने जिला कलेक्टोरेट में स्थित जन संवाद कक्ष में विभिन्न मांगो एवं समस्याओं को लेकर जनसंवाद कक्ष में पहुंचे ग्रामीणोंजनो की आवेदनों का अवलोकन किया एवं संबंधित अधिकारियों को समस्याओं व मांगों को त्वरित निराकरण करने निर्देश दिए।

कलेक्टर डॉ सिंह ने आज जनसंवाद कक्ष में दिव्यांग अयोध्या प्रसाद चौबे भटगांव निवासी हितग्राही जिसके पास छत्तीसगढ़ राज्य मेडिकल बोर्ड का प्रमाण पत्र नहीं था, झारखंड राज्य का था जिसके कारण उन्हें अंत्योदय का लाभ नहीं हो रहा है जिसे कलेक्टर ने स्वास्थ्य विभाग को नियमानुसार मेडिकल प्रमाण पत्र जारी करने के लिए निर्देशित किया प्रमाण पत्र बन जाने के बाद दिव्यांग हितग्राही को अंत्योदय का राशन कार्ड की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। वर्तमान में उन्हें प्राथमिकता परिवार राशन कार्ड का लाभ प्राप्त हो रहा है। इसी कड़ी में अन्य आवेदन आए हैं जिसमें सिक्योरिटी मनी वापस कराने, मनरेगा के तहत कुआं खुलवाने, कूड़ाकु जनजाति को पट्टा वितरण किए जाने के संबंध में आवेदन प्राप्त हुए जिसे कलेक्टर ने आवश्यक कार्रवाई का निराकरण करने के लिए देश की है। ग्राम चंद्रपुर में गौठान निर्माण किए जाने, दिव्यांश हितग्राही को गैस कनेक्शन, प्रधानमंत्री योजना का लाभ दिलाने, सड़क समस्या, पानी समस्या सहित स्थाई जाति प्रमाण पत्र बनाने के आवेदन प्राप्त हुए जिसे त्वरित सुनवाई करते हुए संबंधित अधिकारी को यथाशीघ्र करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने राजस्व संबंधित प्रकरणों को भी विधि अनुसार निराकरण करने कहा है।

जनसंवाद कक्ष में आज राजेश सिंह आत्मजा गणेश सिंह रामनगर हत्या के संबंध में आवेदन प्राप्त हुए जिसे पुलिस अधीक्षक राजेश अग्रवाल ने प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए प्रकरण का अवलोकन किया तथा संबंधित से वार्ता कर आवश्यक जांच कर समस्याओं के निराकरण करने आश्वस्त किया है।

शत-प्रतिशत उपस्थिति के साथ जिले में संचालित होंगे शासकीय कार्यालय

रायगढ़। राज्य शासन के निर्देशानुसार कलेक्टर भीम सिंह द्वारा कोरोना वायरस एवं नये वेरिएण्ट ओमिक्रान के तेजी से बढ़ रहे संक्रमण के नियंत्रण हेतु गत दिवस शासकीय कार्यालयों में कर्मचारियों की न्यूनतम उपस्थिति हेतु निर्देशित किया गया था।

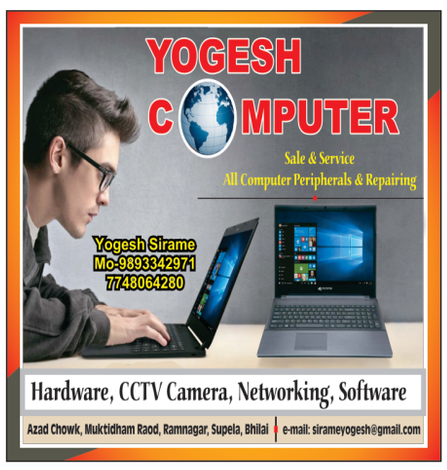

खास-खबर

अश्लील फोटो-वीडियो वायरल करने की धमकी देकर दुष्कर्म का प्रयास इंजीनियरिंग का छात्र गिरफ्तार

भिलाई। दुर्ग पुलिस ने एक इंजीनियरिंग के छात्र को युवती से छेड़छाड़ करने के आरोप में गिरफ्तार किया है। युवती की शिकायत पर जामुल पुलिस ने आरोपी के खिलाफ धारा 354 और 384 के तहत मामला दर्ज कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया है।

जामुल पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक 8 फरवरी को डीसीए की पढ़ाई कर रही 18 वर्षीय छात्रा ने उसके साथ छेड़छाड़ और जबरदस्ती करने की शिकायत दर्ज कराई थी। उसने बताया कि हर्ष सिंह (21) नाम का लड़का उसका पुराना परिचित है और 12वीं तक उसके साथ पढ़ा है। वह उससे मिलने आया था। उसने छात्रा को बाइक पर बिठाया और अपने साथ दुर्ग स्टेशन ले गया। वहां से उन्होंने ट्रेन पकड़ी और रायपुर में कुछ घंटे बिताने के बाद फिर से बिलासपुर चले गए। दोनों रात में वहीं होटल में रुके। आरोप है कि वहां हर्ष ने युवती के साथ छोड़छाड़ करते हुए जोर जबरदस्ती करने लगा। इसके बाद युवती ने घटना की जानकारी फोन पर अपने परिजनों को दी। इसके बाद लड़का और लड़की के पैरेंट्स ने फोन करके दोनों को दुर्ग बुलाया। जैसे ही लड़की दुर्ग लौटी वह सीधे जामुल थाने पहुंची और हर्ष के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई।

पुलिस के मुताबिक हर्ष और शिकायत करने वाली युवती दोनों 12वीं तक एक साथ पढ़े हैं। बचपन में उन्हें एक दूसरे से प्यार हो गया था। उस समय की गलती का हर्ष ने नाजायज फायदा उठाया था। उसने युवती के साथ कुछ अश्लील फोटो और वीडियो बना लिए थे। उन्हीं को वायरल करने की धमकी देकर उसने युवती को मिलने के लिए बुलाया था। इसके बाद दबाव बनाकर उसे बिलासपुर ले गया और उसके साथ गलत करना चाहता था।

डरा धमका कर बाइक और मोबाइल चोरी करने वाले दो गिरफ्तार

रायपुर (ए)। रायपुर के खमतराई थाना पुलिस ने डरा धमका कर बाइक और मोबाइल चोरी वाले दो आरोपितों को गिरफ्तार किया है। उनके कब्जे से चोरी की गाड़ी और मोबाइल फोन जब्त किया गया है। आरोपित मो. निहालुद्दीन और मो. शहबाज को पकड़कर अग्रिम कार्रवाई की गई। मिथलेश चक्रधारी ने खमतराई थाने में छह फरवरी को रिपोर्ट दर्ज कराई थी। मिथलेश अपने जीजा के साथ शांतिनगर बिरगांव रिश्तेदार के घर गया था। मेटल पार्क शराब दुकान के पास अपनी बाइक खड़ी कर बात कर रहा था। तभी दोनों आरोपित पहुंचे बाइक से उतार कर मारपीट शुरू कर दी थी। इसके बाद बाइक, मोबाइल छीन कर ले गए थे। पुलिस ने दोनों को गिरफ्तार किया है।

स्कूटी में गांजा की तस्करी कर रही महिला पकड़ाई

बिलासपुर (ए)। जरहागांव से गांजा लेकर जरहाभाठा की ओर आ रही स्कूटी सवार महिला को पुलिस ने महाराणा चौक के पास गिरफ्तार किया है। आरोपित के कब्जे से दो किलो गांजा और स्कूटी जब्त कर एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्रवाई की गई है। सिविल लाइन थाना प्रभारी शनिप रात्रे ने बताया कि मंगलवार की सुबह सूचना मिली कि एक महिला स्कूटी में गांजा लेकर महाराणा प्रताप चौक की ओर आ रही है। इस पर पुलिस ने रिंग रोड में घेराबंदी कर मुंगेली जिले के जरहागांव थाना अंतर्गत सेमरचुआं में रहने वाली निशु लक्ष्मी पटेल(30) को पकड़ लिया। पूछताछ में महिला गोलमोल जवाब देने लगी। स्कूटी की तलाशी में डिक्की में दो किलो गांजा मिला। पुलिस ने गांजा और स्कूटी जब्त कर एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्रवाई की है।

सड़क पर दौड़ा-दौड़ाकर युवक को मारा चाकूः लोगों ने पुलिस को बुलाने की धमकी दी, फिर भी नहीं डरा

रायपुर (ए)। रायपुर के अश्वनी नगर से लाखे नगर की ओर जाने वाली सड़क पर मंगलवार देर रात एक युवक पर जानलेवा हमला हो गया। युवक को फिल्मी अंदाज में एक आरोपी दौड़ा रहा था। कुछ दूर में जैसे ही युवक उसकी पकड़ में आता वो इसे चाकू मार दिया करता। ये करीब 30 मिनट तक चलता रहा। घायल युवक पर चाकू से 4-5 वार किए गए।

सड़क पर खून बिखरा हुआ था। कुछ लोगों ने हमलावर को पुलिस बुलाने की धमकी दी, वो लोगों की तरफ बढ़ा और चाकू दिखाकर डराया। उसे पुलिस के नाम का भी खौफ नहीं था। जब घायल युवक सड़क पर गिर पड़ा तब भी हमलावर ने उस पर चाकू से वार किए। इसके बाद भाग गया। कुछ लोगों ने एंबुलेंस और पुलिस को खबर कर दी थी। बाद में घायल युवक को इलाज के लिए अंबेडकर अस्पताल ले जाया गया। बताया जा रहा है कि घायल युवक का नाम सुनील है। डंगनिया के रहने वाले इस युवक के पड़ोसी टिल्लू ने इस पर हमला किया है।

पुलिस को उसकी तलाश है। दूसरी तरफ सुनील जिंदगी और मौत से जूझ रहा है। पुलिस इस मामले में परिजनों से पूछताछ कर रही है। अब तक सामने आई बातों के मुताबिक कुछ दिन पहले सुनील और टिल्लू के बीच झगड़ा हो गया था इसी का बदला लेने की नीयत ने उसने हमला किया।

इसी इलाके में हुई थी हत्या

डीडी नगर इलाके में गुलशन यादव (25) अपने दोस्त के साथ घूमने निकला था। इस दौरान एक दूसरा युवक भी किसी महिला के साथ जा रहा था। तभी गुलशन ने उस पर कुछ कमेंट पास कर दिया था। यह सुनते ही महिला के साथ बैठा युवक गुस्से में आ गया। उसने गुलशन से विवाद शुरू कर दिया। दोनों बाइक पर थे, इसलिए गुलशन आगे बढ़ गया। लेकिन आरोपी ने गुलशन का कुछ देर पीछा किया। फिर बाइक को जमीन पर ही पटका और दौड़ता हुआ गुलशन के पीछे गया और उस पर चाकू से हमला कर दिया। इस अटैक में गुलशन की मौत हो गई थी।

करोड़ों रुपये की ठगीः चिटफंड का डायरेक्टर गिरफ्तार

रायपुर (ए)। करोड़ों रुपये की ठगी करने वाले चिटफंड कंपनी का डायरेक्टर बकील सिंह को गिरफ्तार किया गया है। आरोपित रकम दो गुना करने का झांसा देकर लोगों से ठगी की वारदात की थी। थाना आजाद चौक क्षेत्रांतर्गत मुकुट नगर स्थित में अक्षत रेसीडेंसी में खोले थे सन साइन इंफ्राबिल्ड कार्पोरेशन लिमिटेड नामक चिटफंड कंपनी का कार्यालय था। आरोपित बकील सिंह वर्तमान में थाना भाटापारा ग्रामीण जिला बलौदा बाजार में दर्ज ठगी के मामले में बलौदा बाजार उप जेल में बंद था जहां से प्रोडक्शन वारंट में रायपुर लाया गया है।

दिनेश पानिकर एवं नारायण प्रसाद साहू सहित अन्य पीड़ितों द्वारा वर्ष-2019 में थाना आजाद चौक में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। थाना आजाद चैक क्षेत्रांतर्गत मुकुट नगर स्थित अक्षत रेसीडेंसी में सन साईन इन्फ्राबिल्ड कार्पोरेशन लिमिटेड़ नामक चिटफंड कंपनी का कार्यालय था। जिसके डायरेक्टर बकील सिंह सहित अन्य डायरेक्टरों द्वारा पीड़ितों को लुभावनी स्कीम का झांसा देकर करोड़ों रुपये निवेश कराकर आरोपियान पीड़ितों को रकम

वापस न कर चिटफंड कंपनी को बंद कर फरार हो गए।

चिटफंड कंपनी के डायरेक्टरी की संपत्ति के कुर्की का आदेश

गोल्ड की इंफ्रावेंचर लिमिटेड और डेसीड बेनीफिट फंड लिमिटेड चिटफंड कंपनी के डायरेक्टर संजयधर बड़गइयां की संपत्ति कुर्क करने का आदेश जारी किया गया है। रायपुरा स्थित 0.074 हेक्टर 81 लाख कीमती जमीन समेत 37 लाख कीमती प्रोग्रेसिव पाइंट स्थित दो दुकानें कुर्की के आदेश दिए गए हैं।

कुल एक करोड़ 20 लाख रुपये कीमत की संपत्ति कुर्की का आदेश जारी किया गया है। अरविंद कुमार वर्मा की विशेष कोर्ट ने यह आदेश जारी किया है। रायपुर एएसपी के द्वारा कोर्ट में कुर्की के लिए अपील की गई थी। डीडी नगर थाना इलाके में दर्ज हुई थी धोखाधड़ी और अमानत में खयानत का मामला दर्ज किया गया था।

तेज रफ्तार ट्रक ने बाइक सवार परिवार को मारी टक्कर, महिला की मौके पर मौत

कांकेर (ए)। जिले में आज शाम को दर्दनाक हादसा हो गया। यहां एक परिवार बाइक पर जा रहा था। सामने से तेज रफ्तार ट्रक ने ठोकर मार दी। टक्कर इतनी तेज थी कि बाइक सवार परिवार सड़क पर दूर तक जा गिरा। हादसे बाइक सवार महिला की मौके पर मौत हो गई। वहीं 2 साल की मासूम का पैर कटकर अलग हो गया। हादसे के बाद मौके पर भारी भीड़ जमा हो गई।

इस दौरान लोगों ने 112 को सूचना दी। हादसे की सूचना के बाद घटनास्थल पर पहुंची पुलिस ने सबसे पहले घायलों को नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया। इसके बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया। बाइक को ठेकर मारने के बाद ट्रक चालक भाग गया। पुलिस ने अपराध दर्ज होने के बाद घटना के जिम्मेदार आरोपी ट्रक ड्राइवर को गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार जिले के चोरिया गांव निवासी रामनाथ सोरी अपनी पत्नी रेशमी सोरी और 2 साल की बेटी जिज्ञासा के साथ मेला देख देखने पास के गांव जा रहे थे। तीनों मोटरसाइकिल पर सवार थे। बाइक पर तीनों कांकेर सरोना मुख्य मार्ग पर पहुंचे जहां विपरीत दिशा से आ रही तेज रफ्तार ट्रक ने जोरदार ठोकर मार दी।

ठोकर इतनी तेज थी कि बाइक सवार परिवार सड़क पर दूर जा गिरे। ट्रक की ठोकर से मोअरसाइकिल पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। हादसे के कारण बाइक सवार महिला रेशमी सोरी की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं 2 साल की मासूम जिज्ञासा का एक पैर कट कर अलग हो गया। वहीं रामनाथ सोरी को भी गहरी चोटें आई हैं। बाइक पर रामनाथ सोरी का भांजा भी सवार था जो घायल हुआ है। पुलिस ने घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया। इधर हादसे के बाद ट्रक ड्राइवर भागने की फिराक में था। पुलिस ने उसकी तलाश कर उसे गिरफ्तार कर लिया है। फिलहाल मामले की जांच की जा रही है।

सड़क बाधित करने और तेज आवाज में डीजे बजाने पर तीन संचालक से यातायात पुलिस ने वसूला जुर्माना

रायपुर (ए)। यातायात पुलिस रायपुर ने वाट्सएप कंप्लेंट नंबर पर कुछ डीजे संचालकों के विरुद्ध रहवासी क्षेत्रों एवं भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों पर अत्यंत तीव्र ध्वनि में डीजे बजाने पर बार-बार शिकायत पर कार्रवाई की। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक रायपुर प्रशांत अग्रवाल ने वाट्सएप पर मामला संज्ञान में आते ही ऐसे डीजे संचालकों पर सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिया था।

मंगलवार को यातायात पुलिस रायपुर ने शहर के पुरानी बस्ती में मुख्य मार्ग पर तीव्र ध्वनि में डीजे बजाने पर तीन डीजे संचालकों के के खिलाफ कार्रवाई की गई। छह हजार रुपये शमन शुल्क राशि वसूल की गई। साथ ही भविष्य में दोबारा मुख्य मार्ग में यातायात

को बाधित कर तीव्र आवाज में डीजे बजाने पर जब्ती की कार्रवाई करने के संबंध में हिदायत दी गई। बता दें कि यातायात पुलिस रायपुर द्वारा जारी वाट्सएप नंबर में डीजे संचालकों द्वारा रहवासी क्षेत्रों एवं भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में बरात में तीव्र ध्वनि में डीजे बजाया जा रहा था।

बाधित हो रहा था यातायात

बरात और तेज आवाज में डीजे बजाने के कारण सामान्य यातायात अनावश्यक रुप से बाधित हो रहा था। आपातकालीन स्थिति में लोगों को भारी असुविधाओं का सामना करना पड़ता है, किंतु शहर के सभी प्रमुख मार्गों एवं चौक चौराहों पर डीजे संचालकों द्वारा कार्रवाई नहीं होने के कारण रोड पर बारात में तेज आवाज में डीजे संचालक मनमानी करते हैं। शहर के पुरानी बस्ती इलाके में चंदू डीजे एवं अन्य दो और डीजे संचालकों के विरुद्ध मोटर यान अधिनियम के तहत चालानी कार्रवाई की गई।

पान के ठेले में बिक रही थी महुआ शराब, एक पकड़ाया

बिलासपुर (ए)। चकरभाठा क्षेत्र के पिरैया गांव में युवक पान ठेले की आड़ में महुआ शराब बेच रहा था। इसकी सूचना पर पुलिस ने घेराबंदी कर युवक को गिरफ्तार कर लिया। उसके कब्जे से 24 लीटर महुआ शराब जब्त की गई। आरोपित के खिलाफ आबकारी एक्ट के तहत कार्रवाई की गई है। चकरभाठा थाना प्रभारी मनोज नायक ने बताया कि सोमवार की शाम सूचना मिली कि पिरैया में पान ठेले की आड़ में एक युवक महुआ शराब बेच रहा है। इस पर पुलिस ने गांव में दबिश देकर नगाराडीह निवासी अनिल कुमार बंजारे (32) को पकड़ लिया।

खास - खबर

अंतर इस्पात संयंत्र क्रिकेट स्पर्धा में बीएसपी टीम के चयन स्पर्धा हेतु सूचना

भिलाई। अंतर इस्पात संयंत्र क्रिकेट स्पर्धा का आयोजन दिनांक 22 से 28 फरवरी, 2022 तक बोकारो इस्पात संयंत्र में किया जा रहा है। इस स्पर्धा में भाग लेने के लिए भिलाई इस्पात संयंत्र की टीम का गठन किया जायेगा। बीएसपी टीम के गठन हेतु चयन स्पर्धा दिनांक 11 फरवरी, 2022 को दोपहर 2:30 बजे बीएसपी क्रिकेट ग्राउंड, सेक्टर-10 में आयोजित की जा रही है। भिलाई परीधि के युवा (बालक) खिलाड़ी एवं संयंत्र के कर्मचारी इस चयन स्पर्धा में भाग लेने के पात्र होंगे। पात्र प्रतिभागियों को दिनांक 11 फरवरी, 2022 को दोपहर 2:00 बजे उपस्थित होना अनिवार्य है। इस चयन स्पर्धा के चयनकर्ता होंगे- देवेष बनर्जी, उत्तम डे, परमजीत सिंह। इस चयन स्पर्धा के प्रभारी अभिजीत भौमिक, सहा. प्रबंधक (क्री.सां. एव ना.सु) है।

लोकतंत्र सेनानियों ने सम्मान निधि जारी करने कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

दुर्ग। दुर्ग संभाग प्रभारी योगेन्द्र सिंह के नेतृत्व में मीसा बंदियों ने बिलासपुर हाई कोर्ट के फैसले के कॉपी को दुर्ग कलेक्टर डा. सर्वेश्वर नरेन्द्र भूरे को ज्ञापन सौंपकर यह मांग किया कि हाईकोर्ट के राज्य शासन छ.ग. को निर्देशित कर आदेशित किया है कि मीसाबंदियों के 2019 से बकाया राशि जारी कर सम्मान निधि आगे भी जारी करें। कलेक्टर को ज्ञापन देने वालों में योगेन्द्र सिंह (प्रभारी दुर्ग संभाग), जयनारायण त्रिपाठी, अवध नारायण यादव, प्रमोद भार्गव, राजदेव सिंह, हेमंत देशमुख, रामअवतार यादव, गोवर्धन जायसवाल शामिल थे।

घर घुसकर नाबालिग के साथ छेड़छाड़ करने वाला आरोपी चढ़ा पुलिस के हत्थे

दुर्ग। 7 फरवरी 2022 को प्रार्थिया थाना उपस्थित आकर रिपोर्ट दर्ज करायी कि वह 5 फरवरी 2022 को सुबह घर में अकेली थी जिसका फायदा उठाकर आरोपी यंशवत निर्मलकर उर्फ लल्लू पीड़िता के घर घुसकर पीडिता की इज्जत लूटने की नियत से हाथ बांह पकडकर अपनी ओर खीचने लगा और इज्जत लूटने जोर जबरदस्ती करने लगा पीडिता के जोर जोर से चिल्लाने पर आरोपी यशवंत वहां से भाग गया। रिपोर्ट पर थाना सिटी कोतवाली दुर्ग में अपराध क्रमांक 126/2022 धारा 452, 354, भावबि, 8 पाक्सो एक्ट का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। उक्त घटना को अत्यंत गंभीरता से लेते हुए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक बद्रीनारायण मीणा के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संजय ध्रुव, नगर पुलिस अधीक्षक दुर्ग जितेन्द्र यादव के मार्गदर्शन में विशेष टीम गठित कर आरोपी की शीघ्र पतासाजी एवं गिरफ्तारी हेतु लगाया गया। घटना के रिपोर्ट बाद से टीम तैयार कर आरोपी के पता तालश हेतु रवाना किया। घटना के कुछ ही घंटे बाद आरोपी को घेराबंदी कर हिरासत में लेकर पुछताछ किया गया। जो अपराध करना स्वीकार किया। थाना सिटी कोतवाली दुर्ग द्वारा आरोपी को गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त हुई अग्रिम कार्यवाही थाना दुर्ग से की जा रही है। उक्त कार्यवाही में थाना दुर्ग के थाना प्रभारी निरीक्षक भूषण एक्का, उप निरीक्षक सरोज चवरे, प्रधान आरक्षक हरीश चौधरी, मआर गीतेश्वरी शर्मा एवं पेट्रोलिंग स्टाफ की उल्लेखनीय भूमिका रही। गिरफ्तार आरोपी- यशवत निर्मलकर उर्फ लल्लू पिता शिवप्रसाद उम्र 20 साल निवासी बघेरा इंदिरा नगर दुर्ग।

महापौर के निज सहायक गैंदराम सिन्हा एवं निगम सचिव जीवन वर्मा को भी मिली पदोन्नति

आयुक्त प्रकाश सर्वे ने 21 कर्मचारियों का प्रमोशन आदेश किया जारी

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई । निगम आयुक्त प्रकाश सर्वे ने 21 निगम कर्मचारियों के प्रमोशन का आदेश जारी किया है। इन कर्मचारियों के पद नाम परिवर्तन होने के साथ ही इनका वेतनमान भी बदल जाएगा। नीरज पाल के महापौर बनने के बाद निगम कर्मचारियों को एक प्रकार से पदोन्नति का यह पहला तोहफा मिला है। प्रमोशन मिलने वाले कर्मचारियों में ज्यादातर राजस्व विभाग के कर्मचारी शामिल है।

वही महापौर के निज सहायक गैंदराम सिन्हा, निगम सचिव जीवन लाल वर्मा और आयुक्त के स्टेनो पुरुषोत्तम अठभैया को भी पदोन्नति मिली है। वहीं कुछ कर्मचारियों के विभागों में भी फेरबदल हुआ है। आयुक्त ने 7 फरवरी को आदेश जारी कर कई कर्मचारियों को प्रमोशन दिया है। प्रमोशन प्राप्त करने वाले कर्मचारियों में निगम सचिव जीवन वर्मा स्टेनोग्राफर ग्रेड 3 से स्टेनोग्राफर ग्रेड 2, देवेंद्र कुमार वर्मा स्टेनो टाइपिस्ट से स्टेनोग्राफर ग्रेड 3, पुरुषोत्तम अठभैया स्टेनो टाइपिस्ट से स्टेनोग्राफर ग्रेड 3, गैंदराम सिन्हा स्वच्छता पर्यवेक्षक से स्वच्छता निरीक्षक, शंकर साहनी स्वच्छता पर्यवेक्षक से स्वच्छता निरीक्षक, भैयालाल असाटी स्वच्छता पर्यवेक्षक से स्वच्छता निरीक्षक, मोतीलाल साहू राजस्व उपनिरीक्षक से राजस्व निरीक्षक, रविशंकर महलवार राजस्व उपनिरीक्षक से राजस्व निरीक्षक, बसंत कुमार देवांगन राजस्व उपनिरीक्षक से राजस्व निरीक्षक, नीलेश बागडे सहायक राजस्व निरीक्षक से राजस्व उपनिरीक्षक, कृष्ण कुमार शर्मा सहायक राजस्व निरीक्षक से राजस्व उपनिरीक्षक, पालेश्वर साहू सहायक राजस्व निरीक्षक से राजस्व उपनिरीक्षक, मनीषा वास सहायक राजस्व निरीक्षक से राजस्व उपनिरीक्षक, राजिम बाई निर्मलकर सहायक राजस्व निरीक्षक से राजस्व उप निरीक्षक, योगेश्वर दास साहू सहायक राजस्व निरीक्षक से राजस्व उप निरीक्षक, राजेंद्र तिवारी सहायक राजस्व निरीक्षक से राजस्व उपनिरीक्षक जमीर अहमद सहायक राजस्व निरीक्षक से राजस्व उप निरीक्षक, मलखान सिंह शोरी राजस्व निरीक्षक से सहायक राजस्व अधिकारी, धीरज साहू राजस्व निरीक्षक से सहायक राजस्व अधिकारी, सत्यनारायण कौशिक राजस्व निरीक्षक से सहायक राजस्व अधिकारी एवं जगदीश तिवारी राजस्व निरीक्षक से सहायक राजस्व अधिकारी के पद पर पदोन्नत हुए है। इसके अतिरिक्त 6 कर्मचारियों के विभागों में फेरबदल कर नवीन पदस्थापना विभाग दिया गया है।

इसका आदेश अपर आयुक्त अशोक द्विवेदी ने जारी किया है। जारी आदेश के मुताबिक कौशल्या सोनी सहायक ग्रेड 3 को स्टेनो आयुक्त कक्ष से लेखा शाखा, तुलसिया बघेल सहायक ग्रेड 3 को प्रथम अपीलीय कक्ष से संपत्ति कर विभाग, राहुल राजपूत भृत्य को लेखा शाखा से जोन क्रमांक 3, रोशनलाल टंडन भृत्य को सामान्य प्रशासन विभाग से उपायुक्त दो कक्ष, नरेंद्र कुमार साहू चौकीदार को महापौर परिषद कक्ष से प्रथम अपीलीय कक्ष एवं प्रवीण डोंगरे भृत्य को स्टेनो टू आयुक्त कक्ष से सचिवालय में पदस्थ किया गया है। कर्मचारी महासंघ से विष्णु चंद्राकर, शरद दुबे, रामवृक्ष यादव, कृष्णा देशमुख, रामेश्वर चंद्राकर, अरुण सिंह, संजय शर्मा, देवेंद्र मोहन सखारकर, श्रवण ठाकुर एवं शिव शर्मा इत्यादि ने निगम महापौर, निगम आयुक्त एवं अपर आयुक्त का कर्मचारियों को पदोन्नति देने के लिए आभार व्यक्त किया है।

नवीन कार्यालय समय में संभागायुक्त दुर्ग संभाग ने किया कार्यालयों का औचक निरीक्षण

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। संभागायुक्त महादेव कावरे द्वारा आज संभागीय कार्यालयों का औचक निरीक्षण किया गया। जिसमें सर्वप्रथम कार्यालय सहायक संचालक शिक्षा के निरीक्षण के दौरान कुल 6 अधिकारी/कर्मचारी अनुपस्थित पाए गए। अनुपस्थित अधिकारियो/कर्मचारियो कल्पना स्वामी सहायक संचालक, मधुलिका तिवारी प्रभारी जिला शिक्षा अधिकारी, महेंद्र कुमार चंद्राकर लेखापाल, अरुण कुमार वर्मा लेखापाल, खिलावन दास साहू सहायक ग्रेड 3, परमानंद ठाकुर सहायक ग्रेड 3 को कारण बताओं नोटिस जारी करते हुए अन्य उपस्थित कर्मचारी को भी कार्यालयीन समय प्रात: 10 बजे उपस्थित होने के निर्देश दिए गए। कावरे द्वारा कार्यालय में अधिकारी/कर्मचारियों के टेबल पर आवश्यक रूप से नेमप्लेट रखे जाने के निर्देश दिये गये।

संभागायुक्त कावरे द्वारा जल संसाधन विभाग के निरीक्षण के दौरान अधीक्षण अभियंता समीर जॉर्ज के अनुपस्थित रहने पर कड़ी नराजगी व्यक्त की गई एवं अनुपस्थित कर्मचारियों में आरएस वर्मा मानचित्र कार, इंदु अग्रवाल कनिष्ठ सहायक को कारण बताओं नोटिस जारी किया गया। जल संसाधन विभाग अंतर्गत निरीक्षण के दौरान टेबल एवं आलमारी के ऊपर अव्यवस्थित रूप से रखे हुए फाईलों को रिकार्ड रूम में रखने के निर्देश दिए गए एवं सभी कर्मचारी के टेबल पर नेमप्लेट आवश्यक रूप से लगे होने के निर्देश दिए गए। लोक सेवा गारंटी अधिनियम के तहत प्राप्त आवेदनों का समय सीमा में हो निराकरण संभाग आयुक्त कावरे ने लोक सेवा गारंटी अधिनियम के संबंध में सूचना पटल का अवलोकन किया एवं अंतर्गत प्राप्त आवेदनों के संबंध मेंको समय सीमा के भीतर निराकरण करने के सख्त निर्देश दिए।

आयुक्त प्रकाश सर्वे ने विभागों का किया औचक निरीक्षण

ड्यूटी से नदारद मिले 6 कर्मचारियों को थमाया नोटिस

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। निगम आयुक्त प्रकाश सर्वे ने कार्यालयीन समय समाप्त होने के ठीक पहले आज सभी विभागों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान अनुपस्थित पाए गए 6 कर्मचारियों को उन्होंने नोटिस थमाया है। औचक निरीक्षण में सर्वप्रथम स्टेनो कक्ष से उन्होंने शुरुआत की और उपायुक्त कक्ष, संपत्तिकर विभाग, टैक्स कलेक्शन काउंटर, राजस्व विभाग, जन्म मृत्यु एवं लोक सेवा गारंटी के कार्यों के लिए स्थापित काउंटर, भवन अनुज्ञा विभाग, अभियंता कक्ष, स्वास्थ्य विभाग, जन सूचना विभाग, सचिवालय, राजस्व विभाग, लेखा विभाग, कंप्यूटर शाखा, स्थापना विभाग, राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन एवं भवन संधारण सहित तमाम विभागों का भी कर्मचारियों की उपस्थिति को लेकर निरीक्षण किए। इस दौरान राजस्व विभाग में पदस्थ अनिल सिंह, स्वास्थ्य विभाग में पदस्थ नशरूनिशा, अधीक्षण अभियंता कार्यालय में पदस्थ ज्योति सिंह, राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन के मिशन मैनेजर शीबा रॉबर्ट, नलनी तनेजा, कंप्यूटर ऑपरेटर राहुल बोरकर अनुपस्थित पाए गये। जिन्हें आयुक्त ने नोटिस जारी किया है।

आयुक्त ने सभी अधिकारी/कर्मचारियों को सख्त निर्देश दिए हैं कि कार्यालयीन समय प्रात: 10:00 बजे से सायं 5:30 बजे का अनिवार्य रूप से पालन करें, अन्यथा कड़ी कार्रवाई की जाएगी। उल्लेखनीय है कि निगम आयुक्त ने छत्तीसगढ़ शासन से अधिसूचना जारी होते ही कार्यालयीन समय का पालन कराने औचक निरीक्षण कर रहे हैं और निर्धारित समय से अनुपस्थित रहने वाले कर्मचारियों पर कार्रवाई भी कर रहे हैं। निरीक्षण के दौरान उपायुक्त सुनील अग्रहरि मौजूद रहे।

हाथों में हरा-नीला डिब्बा लेकर निकली महिलाएं

शहर को सुंदर बनाने और स्वच्छ रखने लोक कलाकार कर रहे लोगों को जागरूक

श्रीकंचनपथ न्यूज

रिसाली। शहर को सुंदर बनाने और स्वच्छ रखने का बीड़ा महिलाओं ने भी उठाया है। मंगलवार को कुमकुम स्वसहायता की महिलाएं हाथों में नीला व हरा डिब्बा लेकर निचली बस्ती तक पहुंची। वही लोक कलाकार स्वच्छता का अलख जगाने चैक चैराहों पर प्रहसन के साथ संगीतमय प्रस्तुती दे रहे है।

स्वच्छता सर्वेक्षण 2022 को लेकर नगर पालिक निगम रिसाली क्षेत्र में आयुक्त आशीष देवांगन के निर्देश पर जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। लोक कलाकार गीला व सूखा कचरा अलग-अलग रख सफाई मित्र को देने के साथ ही सैप्टिक टैंक को साल में दो बार अवश्य साफ कराने प्रहसन तैयार कर गली मुहल्ले में प्रस्तुत कर रहे है। रिसाली निगम को स्वच्छ रखने महापौर शशि सिन्हा, सभापति केशव बंछोर व निगम आयुक्त आशीष देवांगन का संदेश लोगों तक पहुंचा रहे है।

निगम क्षेत्र के श्रमिक बाहुल्य और पॉश कॉलोनी को सुंदर व स्वच्छ बनाने और लोगों को जागरूक करने की जिम्मेदारी निगम प्रशासन ने महिला स्वसहायता को दी है। साथ ही टास्क दिया है कि वे अधिक से अधिक घरों तक पहुंचे। बेहतर कार्य करने पर महिला स्वसहायता समूह को पुरस्कृत किया जाएगा।

10 फरवरी को निगम में लघु फिल्म प्रदर्शन का आयोजन किया जाएगा। इस प्रतियोगिता में प्रथम आए फिल्म को 5 हजार रूपए नगद पुरस्कार दिया जाएगा। लघु फिल्म अनिवार्य रूप से 9 फरवरी तक जमा करना होगा।

विद्युत कनेक्शन सहित मूलभूत सुविधाओं के लिए भटक रहे लोग

वैशाली डेवलपर्स का मामला

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। वैशाली डेवलपर्स ने न्यू वैशाली नगर और बाबा दीप सिंग नगर में छोटे-छोटे प्लाट काटकर बेचे जिससे प्लाट लेने वालों को विभिन्न समस्याएँ उत्पन्न हो गईं हैं और वो विद्युत कनेक्शन सहित मूलभूत सुविधाओं के लिए भटक रहे हैं।

आम आदमी पार्टी के मेहरबान सिंह, वदुद आलम, बलविंदर सिंह व रामपाल ने पत्रवार्ता में बताया कि टाउन एंड कंट्री प्लानिंग ने लिखकर दिया कि उस क्षेत्र के लिए कोई ले आउट अप्रूव्ड नहीं किया फिर निगम ने भवन अनुज्ञा कैसे जारी कर दी। यहां लगभग 18 भू स्वामियों को भवन अनुज्ञा जारी की गई और लाखों रूपए डेवलपमेंट चार्ज निगम ने लिया।

पिछले वर्ष अशोक सबनानी ने स्थायी विद्युत कनेक्शन के लिए आवेदन दिया था जो आज तक नहीं मिला। भू स्वामियों ने बिल्डिंग परिमिशन मिलने से मकान बनाते समय विद्युत विभाग से टेम्परेरी विद्युत कनेक्शन लिया जिसमें युनिट रेट बहुत ज्यादा लगता है और सब्सीडी का लाभ नहीं मिलता। उस मकान में रहते हुए उन्हें वर्षों हो चुके हैं लेकिन आज तक उनको स्थायी विद्युत कनेक्शन नहीं मिला है। स्थायी विद्युत कनेक्शन की मांग करने पर विद्युत विभाग ने कहा कि सभी प्लाट्स वैशाली डेवलपर्स कालोनाईजर से क्रय किया गया है, उनके द्वारा कालोनी का विद्युतीकरण करावाना पड़ेगा लेकिन सवाल ये है अभी वो कालोनी है कहाँ? टाउन एंड कंट्री प्लानिंग ने लिखकर दिया कि उस जगह के लिए कोई ले आउट अप्रूव्ड नहीं किया गया है, फिर वो कालोनी कैसे हो गई? विद्युत विभाग ने कहा कि वैशाली डेवलपर्स ने कोई आवेदन प्रस्तुत नहीं किया है अगर आवेदन किया है तो उस पूरी जगह के विद्युतीकरण टांसफार्मर का खर्चा वहन करना पड़ेगा। वर्तमान में जिस पोल से टेम्परेरी विद्युत कनेक्शन चल रहा है, उसी पोल से नया स्थायी विद्युत कनेक्शन दे दिया जाए।

सवाल यह है कि वहां के रहवासियों का विद्युत कनेक्शन जब टेंपरेरी चल रहा है तो उसको स्थायी कनेक्शन क्यों नहीं किया जा सकता है या नया स्थायी विद्युत क्यों नहीं देता? स्थायी विद्युत कनेक्शन के लिए उपभोक्ता विद्युत विभाग को ट्रांसफार्मर का शुल्क तथा अन्य शुल्क क्यों दे? आम आदमी पार्टी ने जनदर्शन में भी इस समस्या पर आवेदन दिया है।

बीएसपी में सीटीवाईएम 2021-2022 के विजेता घोषित

भिलाई। संयंत्र स्तरीय प्रतियोगिता चेयरमैन ट्रॉफी फॉर यंग मैनेजर्स (सीटीवाईएम) 2021-22 में श्री ए पी पंसारी, एजीएम (टी एंड डी), एम डी नौशाद आलम, एजीएम (सतर्कता) और मनोज कुमार श्रीवास्तव, एजीएम (प्रोजेक्ट्स) की टीम को विजेता घोषित किया गया है। इस वर्ष की प्रतियोगिता का विषय सेल में विश्व स्तरीय परियोजना प्रबंधन प्राप्त करना: मुद्दे और चुनौतियां है। विजेता टीम अब चेयरमैन ट्रॉफी फॉर यंग मैनेजर्स (सीटीवाईएम) 2021-22 में भिलाई इस्पात संयंत्र का प्रतिनिधित्व करेगी। प्रबंधन प्रशिक्षण संस्थान (एमटीआई) में एकीकृत इस्पात संयंत्रों एवं सेल में सेवा इकाइयों का प्रतिनिधित्व करने वाली उत्पादन इकाइयों के फाइनलिस्ट द्वारा तकनीकी पेपर प्रस्तुत किए जाएंगे। भिलाई प्रबंधन विकास केंद्र (बीएमडीसी) में इकाई स्तरीय प्रस्तुतियों का मूल्यांकन किया गया। बीएसपी टीमों द्वारा यूनिट स्तर की प्रस्तुतियों के लिए निर्णायकगणों में शामिल थे ईडी (पी एंड ए) के के सिंह, सीजीएम (प्रोजेक्ट्स) बी के डे और सीजीएम (डब्ल्यूआरएम एंड एमएम) अजय बेदी। सीजीएम (एचआरडी एंड बीई) संजय धर कार्यक्रम के संयोजक के रूप में शामिल थे।

भिलाई इस्पात संयंत्र के ब्लास्ट फर्नेस, आरएमपी और ओएचपी ने बनाए नए रिकॉर्ड

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र की ब्लास्ट फर्नेस ने 6 फरवरी 2022 को 123 किग्रा प्रति टन हॉट मेटल की दर से 2095 टन कोल डस्ट इंजेक्शन का नया रिकॉर्ड दर्ज किया, जो कि एक दिन पहले 5 फरवरी 2022 को हासिल किए गए 1959 टन के पिछले सर्वश्रेष्ठ रिकॉर्ड को पार करते हुए बनाया गया।

सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के आरएमपी विभाग ने 6 फरवरी 2022 को स्टील मेल्टिंग शॉप्स और सिंटर प्लांट्स को 2306 टन चूना और कैल्साइड डोलोमाइट का सबसे अच्छा दैनिक प्रेषण करते हुए, पिछले सर्वश्रेष्ठ 25 दिसंबर 2021 को प्रेषित किए गए 2240 टन के रिकॉर्ड को ध्वस्त कर नया कीर्तिमान बनाया है। 6 फरवरी 2022 को दैनिक प्रेषण के रिकॉर्ड में एसएमएस-2 को 700 टन, एसएमएस-3 को 1021 टन और सिंटर प्लांट को 585 टन प्रेषण शामिल हैं।

संयंत्र की विभिन्न शॉप्स और विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों ने ब्लास्ट फर्नेस और आरएमपी को उनके श्रेष्ठ प्रदर्शन के लिए बधाई दी है।

भिलाई इस्पात संयंत्र निदेशक प्रभारी अनिर्बान दासगुप्ता ने ब्लास्ट फर्नेस टीम और संबंधित विभागों को बधाई देते हुए कहा कि सीडीआई इंजेक्शन में बनाया गया रिकॉर्ड कोकिंग कोल दरों में तेज वृद्धि के मद्देनजर किए जा रहे प्रयासों का संकेत है और इस तरह के प्रदर्शन संयंत्र के लिए महत्वपूर्ण है। निदेशक प्रभारी दासगुप्ता ने आरएमपी टीम को बधाई देते हुए कहा कि स्टील मेल्टिंग शॉप्स के साथ-साथ सिंटर प्लांट्स को भी आपूर्ति बढ़ाने के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ देने का आग्रह किया। उल्लेखनीय है कि संयंत्र के ओर हैंडलिंग प्लांट ने भी हाल ही में एक और नया रिकॉर्ड स्थापित किया।

4 फरवरी 2022 को ओएचपी ने अब तक की सर्वश्रेष्ठ 677 वैगनों की अनलोडिंग का नया रिकॉर्ड दर्ज कर, 20 नवंबर 2020 को पिछले सर्वश्रेष्ठ 627 वैगनों की अनलोडिंग के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ा। निदेशक प्रभारी दासगुप्ता ने ओएचपी बिरादरी को उनके निरंतर प्रयासों और अपना सर्वश्रेष्ठ देने के उत्साह के लिए बधाई दी तथा अपने अच्छे प्रदर्शन को बनाए रखने और आने वाले दिनों में नई ऊंचाइयों को प्राप्त करने का आग्रह किया।

दुर्ग में निगम की बड़ी कार्रवाई: 16 बड़े अवैध होंडिंग पर चला बुल्डोजर

श्रीकंचनपथ न्यूज

-अवैध होंडिंग के खिलाफ अभियान लगातार चलाया जाएगा

-विज्ञापन एजेंसियों को नोटिस व समझाइश का असर नही हुआ तो निगम ने लिया एक्शन

दुर्ग। नगर पालिक निगम आयुक्त हरेश मंडावी के सख्त निर्देश पर आज बाजार विभाग,अतिक्रमण विभाग व उड़नदस्ता अमले ने जी.ई.रोड बीआईटी कॉलेज के पास सड़क किनारे में 16 अवैध होंडिंग पर नगर निगम ने कार्रवाई की।

विज्ञापन एजेंसियों में मचा हड़कंप,एजेंसियों को अवैध होंडिंग हटाने के लिए नोटिस और समझाइस दिया गया था वो अपना होंडिंग हटा लें पर नोटिस व समझाइस असर नहीं हुआ तो नगर निगम ने एक्शन लिया है,आयुक्त हरेश मंडावी द्वारा राजस्व व बाजार विभाग की समीक्षा के दौरान नोडल अधिकारी प्रकाशचंद थावनी को निर्देश दिया गया कि शहर में बीआईटी कॉलेज से लेकर मिनी माता चौक तक जितने भी अवैध होंडिंग लगे हुए है उसको हटाने की कार्रवाही करने के लिए निर्देश दिए थे।, इसको ध्यान में रखते हुए अमले ने जी ई रोड बीआईटी कॉलेज सड़क किनारे बड़े एवं छोटे अवैध होंडिंग को हटाने की कार्रवाही की गई इस मौके पर अतिक्रमण विभाग अधिकारी दुर्गेश गुप्ता, उड़नदस्ता अधिकारी शिव शर्मा,बाजार प्रभारी अधिकारी थानसिंग यादव,सहायक प्रभारी ईश्वर वर्मा,शशिकांत यादव,भुवान दास साहू,दीपक निषाद,राजेश दग्गर,मन्नी मन्हारे, के अलावा अमला मौजूद थे। आयुक्त हरेश मंडावी के सख्त निर्देश पर अमले ने जी.ई रोड पर स्थापित अवैध होंडिंग को हटाया गया।जी.ई रोड पूर्व में दीपक जैन को होंडिंग लगाने हेतु निगम द्वारा अधिकृत किया गया था।समयाविधि पूर्ण हो जाने पर उन्हें उक्त होंडिंग हटाने के लिए नोटिस दिया गया व समय समय पर दूरभाष द्वारा होंडिंग हटाने की समझाइश भी दिया गया था सम्बंधित एजेंसी द्वारा निगम को अनदेखी करने के कारण निगम ने एक्शन लिया।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950